शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 263 | गुवाहाटी | गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वोट डालने के बाद चुनाव आयोग पर बरसीं ममता, किया सत्ता में लौटने का दावा पेज 2

असम में ऐतिहासिक मतदान, चार मई को मतगणना : सीईओ अनुराग गोयल पेज 3

मुख्यमंत्री की प्रदेशवासियों से अपील, जनगणना, संवैधानिक दायित्व... पेज 5

आईपीएल में इस बार साल 2024 के 14 शतकों का रिकार्ड टूटने की ... पेज 7

एग्जिट पोल : असम में होगी हिमंत शर्मा की वापसी

126 में से 70-80 सीटें जीतेगी भाजपा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। बुधवार को जारी एग्जिट पोल में सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) असम में भारी बहुमत के साथ सत्ता में बनी रहेगी। एग्जिट पोल में सामने आया एनडीए गठबंधन 88 से 100 सीटें जीतेगा। एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक असम में भाजपा को 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं कांग्रेस को 24 से 36 और अन्य को 0 से 3 सीटें मिलने की उम्मीद है। मेट्रिज के एग्जिट पोल में भाजपा को 85 से 95 सीटें मिलती नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस को 25 से 32 और अन्य को 6 से 12 सीटें मिलने की उम्मीद है। पोल डायरी के एग्जिट पोल में भाजपा को 86-101 सीटें मिलती नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस को 15-26 और अन्य को 3-7 सीटें मिलने की उम्मीद है। जेवीसी के एग्जिट पोल में भाजपा को 88-101 सीटें मिलती नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस को 23-33 और अन्य को 2-5 सीटें मिलने की उम्मीद है। पोल ऑफ एग्जिट पोल्स के मुताबिक भाजपा को 88 सीटें मिलती नजर

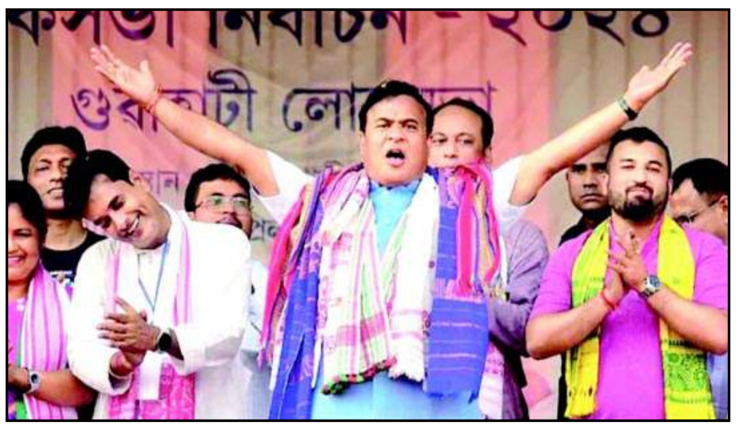

आ रही है। वहीं कांग्रेस को 27 और अन्य को 6 सीटें मिलने की उम्मीद है। 126 सदस्यों वाली विधानसभा के वोटों की गिनती 4 मई को तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरलम और पुडुचेरी के साथ ही होगी। अगर ये अनुमान सही साबित होते हैं, तो असम में भाजपा की हैट्रिक लगेगी। उधर पीपल्स पल्स रिसर्च ऑर्गनाइजेशन द्वारा किए गए एग्जिट पोल से पता चला है कि असम विधानसभा चुनाव-2026 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) को निर्णायक जनादेश मिलने की उम्मीद है। सर्वे से यह साफ संकेत मिलता है कि राज्य में लोग मौजूदा सरकार को ही जारी रखने के पक्ष में हैं; भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता मिलने और अकेले दम पर सरकार बनाने की संभावना है। पीपल्स पल्स एग्जिट पोल के नतीजों के मुताबिक, 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में भाजपा को 68 से 72 सीटें मिलने का अनुमान है, जिससे वह अकेले ही बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार कर लेगी। यह शानदार प्रदर्शन नेतृत्व की लोकप्रियता,

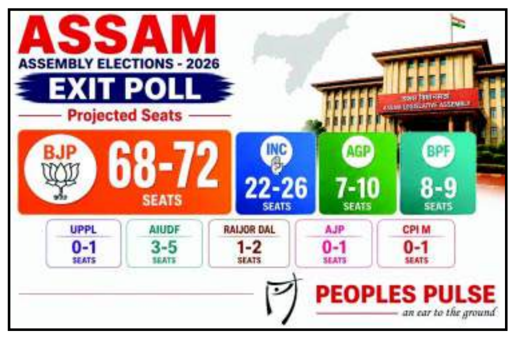

सरकार के कामकाज के प्रति लोगों की सोच और एक असरदार चुनावी रणनीति का मिला-जुला नतीजा है। इसके विपरीत, इंडियन नेशनल कांग्रेस (आईएनसी) को 22 से 26 सीटें मिलने की उम्मीद है, जो यह दिखाता है कि चुनाव में उसकी मौजूदगी काफी सीमित है और वह सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। नेडा गठबंधन की ताकत इस बढ़त को और भी मजबूत बनाती है। गठबंधन के सहयोगी दलों में असम गण परिषद (अगप) को 7-10 सीटें और बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 8-9 सीटें मिलने का अनुमान है। कुल मिलाकर, एनडीए का आंकड़ा 90 सीटों के करीब पहुंचने की संभावना है, जो न केवल जीत का, बल्कि एक स्थिर और निर्णायक जनादेश का भी संकेत है। एआईयूडीएफ, रायजोर दल, पीपीएल, एजेपी, सीपीआई(एम) और निर्दलीय उम्मीदवारों जैसे अन्य दलों का चुनाव के नतीजों पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है और वे हाशिए पर ही रहेंगे। पीपल्स पल्स -शेष पृष्ठ दो पर

नेता प्रतिपक्ष ने एग्जिट पोल को किया खारिज, कहा-

आम लोगों ने भाजपा को वोट नहीं दिया

शिवसागर। नजीरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार और असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, देबब्रत सैकिया ने बुधवार को जोर देकर कहा कि आम लोगों ने भाजपा को वोट नहीं दिया है, यह बात उन्होंने तब कही जब एग्जिट पोल में पूर्वोत्तर राज्य में एनडीए सरकार के एक और कार्यकाल का अनुमान लगाया गया था। सैकिया ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि उसने एक दशक पहले राज्य से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। एग्जिट पोल पर ज्यादा ध्यान न देते हुए, उन्होंने कहा कि भाजपा *अच्छे दिनों* के बजाय असम के लिए *बुरे दिन* लेकर आई है। मैं एग्जिट पोल पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन इस बार आम आदमी ने भाजपा को वोट नहीं दिया। मैं यह जानता हूं क्योंकि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाते हैं। भाजपा ने हमें 10 साल के लिए एक विजन डॉक्यूमेंट दिया था, लेकिन उसका कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। अच्छे समय के बजाय, असम के लिए बुरा समय आया। असम में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है, जहां 33 लाख से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। इस बारे में कुछ भी नहीं किया गया। इसी वजह से बदलाव की जरूरत थी। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पहले से ज्यादा भ्रष्टाचार है, और किए गए सभी वादे पूरे नहीं हुए हैं, उन्होंने कहा। इसके अलावा, सैकिया ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), महंगाई, छह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

गर्मी का डबल असर, दिन के साथ रातें भी हो रहीं गर्म, आईएमडी की चेतावनी

नई दिल्ली। देशभर में इस समय तेज गर्मी का प्रकोप जारी है और कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है। इसको लेकर भारत मौसम विभाग ने व्यापक अलर्ट जारी किया है। लेकिन इस बार चिंता सिर्फ दिन की तेज

रात की स्थिति बनी रह सकती है, जहां न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली में अप्रैल महीने के दौरान रात का तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया है। यह हाल के वर्षों के औसत और लंबे गर्मी को लेकर नहीं है, बल्कि रातें भी असामान्य रूप से गर्म हो रही हैं। इससे शरीर को ठंडा होने का समय नहीं मिल पा रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गर्म समय के औसत दोनों से ऊपर रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने ज्यादातर दिनों में न्यूनतम तापमान 2020-2025 के औसत और 1991-2020 के सामान्य स्तर से ज्यादा रहा। -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल चुनाव के अंतिम चरण में छिटपुट हिंसा के बीच 91.41 प्रतिशत मतदान

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच बंपर मतदान हुआ। राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों की 142 सीटों के लिए 91.41 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना चार मई को होगी और नतीजे भी दोपहर 12 बजे तक स्पष्ट हो जाएंगे कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक सुबह 07 बजे शुरु हुए मतदान के बीच 9 बजे तक करीब 18 प्रतिशत, 11 बजे तक 39.97 प्रतिशत, दोपहर 01 बजे तक 61.11 प्रतिशत तथा दोपहर 03 बजे तक 78.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। पूर्व बर्धमान में सबसे अधिक 93.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया

जबकि सबसे कम कोलकाता दक्षिण में 87.25 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा हुगली जिले में 91.41 प्रतिशत, हावड़ा में 90.93 प्रतिशत, कोलकाता उत्तर में 88.91 प्रतिशत मतदान हुआ है। नदिया जिले में 91.35 प्रतिशत, उत्तर 24 परगना में 91.39 प्रतिशत तथा दक्षिण 24 परगना में 91.45 प्रतिशत मतदान हुआ है। दूसरे और आखिरी चरण में कुल 1,448 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

सपने पूरे हों, इसके लिए पहले उन्हें देखना जरूरी होता है।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

गुवाहाटी में जल भराव के बीच मिला कटा हुआ पैर

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में बुधवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश के कारण कई इलाकों में फिर से कृत्रिम बाढ़ की स्थिति बन गई। इसी बीच शहर में एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना उस समय सामने आई जब पानी में तैरता हुआ एक कटा पैर दिखा, जिसने स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

जेपी नड्डा ने इक्वाडोर की विदेश मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को कर्तव्य भवन में इक्वाडोर की विदेश मामलों की मंत्री मारिया गैब्रिएला सोमरफेल्ड रोसेरो के मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय मंत्री ने भारत और इक्वाडोर के बीच मजबूत साझेदारी को लेकर विचार-विमर्श किया और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय स्वास्थ्य सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

पूरे देश में घरेलू एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति जारी : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया में बदलती परिस्थितियों के बीच सरकार ने बुधवार को कहा कि पूरे देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति बिना रुकावट सुचारू रूप से जारी है। सरकार ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। इसके साथ ही ऑनलाइन बुकिंग अपने अबतक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : चार जिलों में महिलाओं ने निकाली रैलियां, गोलीबारी की घटना का किया विरोध

चुराचांदपुर (मणिपुर)। मणिपुर के चार जिलों के कुकी बहुल इलाकों में बुधवार को हजारों लोगों ने रैलियां निकालीं। ये रैलियां उखरूल जिले के एक गांव में 24 अप्रैल को हुई गोलीबारी की घटना के खिलाफ निकाली गईं। गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी। रैलियों में लोगों ने 2024 में जातीय हिंसा के दौरान सामने आए पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से जुड़े कथित ऑडियो टेप की सच्चाई सामने लाने के

लिए न्यायिक कार्रवाई तेज करने की भी मांग की। ये प्रदर्शन मानवाधिकार के लिए कुकी महिला संगठन (केडब्ल्यूओएचआर) और कुकी महिला संघ (केडब्ल्यूओ) की ओर से आयोजित किए गए थे। प्रदर्शन कांगपोकपी, चंदेल और तेंगनौपाल जिलों में किए गए। चुराचांदपुर शहर के कोईते मैदान में दोनों संगठनों के नेताओं ने 24 अप्रैल को उखरूल के मुलम और सोंगफेल गांवों पर हुए -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव : ईवीएम में भाजपा के बटन पर चिपका मिला टेप

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना के फाल्टा विधानसभा के 177 नंबर बूथ पर भाजपा के बटन पर टेप लगाने का आरोप है। भाजपा उम्मीदवार देबांशु पांडा ने ये आरोप लगाया है। भाजपा उम्मीदवार देबांशु पांडा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का जायजा ले रहे थे। देबांशु को ईवीएम का निरीक्षण करने की अनुमति नहीं दी गई। चुनाव आयोग ने कहा है कि शिकायत सही पाई गई तो फिर से वोटिंग होगी। फाल्टा टीएमसी नेता जहांगीर खान का इलाका है। यहां के बेलसिंघा स्थित 186 नंबर बूथ पर सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया है। -शेष पृष्ठ दो पर

जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली जरूरी : ओम बिरला

देहरादून (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सतत विकास व पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों – सरकारी संस्थानों, पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, वन पंचायतों तथा नागरिकों की संयुक्त एवं सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का सम्मान करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता और राष्ट्रीय प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। बुधवार को नैनीताल स्थित डॉ. रघुनंदन सिंह टोलिया प्रशासनिक अकादमी में वन पंचायत प्रतिनिधियों व त्रिस्तरीय पंचायत व

स्थानीय शहरी निकाय के निर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि उत्तराखंड की वन पंचायतें सामुदायिक भागीदारी आधारित वन प्रबंधन का एक सफल मॉडल बनकर उभरी हैं, जो न केवल वन संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान दे रही हैं, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर उनके -शेष पृष्ठ दो पर

एमएसएमई में अप्रेंटिसशिप बढ़ाने पर जोर कौशल मंत्रालय ने तैयार किया रोडमैप

नई दिल्ली (हि.स.)। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने देश में अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने और एमएसएमई क्षेत्र में इसकी भागीदारी बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्रालय ने *एमएसएमई में अप्रेंटिसशिप अपनाने का विस्तार* विषय पर आज एक उच्च स्तरीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की, जिसमें भविष्य के लिए तैयार कार्यबल विकसित करने की दिशा में ठोस

रणनीति तैयार की गई। कार्यशाला में एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप के वर्तमान हालात, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें क्लस्टर आधारित मॉडल कि अर्न-व्हाइल-यू-लर्न और वर्क-इंटीग्रेटेड लर्निंग जैसे व्यावहारिक मॉडलों की व्यवहार्यता पर भी विचार किया गया। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के तहत प्रगति के बावजूद अप्रेंटिसशिप -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

वोट डालने के बाद चुनाव आयोग पर बरसीं ममता, किया सत्ता में लौटने का दावा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं भवानीपुर से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार ममता बनर्जी ने मतदान के दिन कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में *अवांछित हिंसा और दबाव* का माहौल बनाया गया है और कई जगहों पर उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों से बाहर कर दिया गया। हालांकि, तमाम आरोपों के बीच दोनों दलों ने एक बार फिर बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। बुधवार शाम चार बजे के करीब मित्रा इंस्टिट्यूशन स्थित मतदान केंद्र में वोट डालने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस के एजेंटों को हटाया गया और कई जगह महिलाओं व बच्चों के साथ मारपीट की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह *स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव* है? तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि नदिया, हुगली, काकद्वीप और कॅनिंग सहित कई इलाकों में चुनाव के दौरान अत्याचार की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रात से ही कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य पुलिस को कई जगहों से हटाकर केवल केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है, जिससे स्थिति और जटिल हुई है। हालांकि, इन आरोपों के बीच उन्होंने भरोसा जताया कि तृणमूल कांग्रेस चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी और दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। ममता बनर्जी सुबह से ही चुनावी गतिविधियों पर नजर रखती रहीं और कई मतदान केंद्रों का दौरा भी किया। मतदान के बाद वे कालीघाट मंदिर भी गईं। इस चुनाव को लेकर भवानीपुर सीट पर कड़ा मुकाबला माना जा रहा है और पूरे राज्य की नजर इसी क्षेत्र पर टिकी हुई है।

कैथल में 15 दिन से पानी संकट

कैथल (हिंस)। शहर के नवग्रह चौक के पास स्थित पॉश कॉलोनी अग्रसेन पुरम में पिछले 15 दिनों से पेयजल संकट गहराया हुआ है। भीषण गर्मी के बीच पानी की एक बूंद तक न आने से कॉलोनी वासियों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को पीने का पानी बाजार से खरीदना पड़ रहा है, जबकि घरेलू उपयोग के लिए आसपास के बोरवेल पंपों का सहारा लेना पड़ रहा है। कॉलोनी निवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद जल विभाग की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही। आरोप है कि अधिकारी अब फोन तक उठाना बंद कर चुके हैं।

बेंगलुरु में भारी बारिश के चलते अस्पताल की दीवार ढही, सात की मौत

बेंगलुरु (हि.स.)। शहर में शिवाजीनगर स्थित बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार भारी बारिश के कारण बुधवार की ढहने से कई लोग मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हो गई है, लेकिन आअधिकारिक रूप से अभी पुष्टि नहीं की गई। मौके पर बचाव व राहत कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया है। बताया गया कि बुधवार शाम को तेज बारिश के दौरान बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार अचानक ढह गई। इस घटना में 15 से 15 लोग दीवार के मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हुई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि का इंतजार है। इस हादसे में कई बच्चों समेत अन्य लोग भी घायल भी हुए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव व राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए हैं। बेंगलुरु में अस्पताल कंपाउंड की दीवार गिरने की घटना पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि घटना के संबंध में पुलिस कमिश्नर से बात की है। मैं अपनी मीटिंग बीच में ही खत्म कर तुरंत घटनास्थल पर जा रहा हूँ।

पत्नी के लापता होने से आहत पति ने की आत्महत्या

नगांव (हिंस)। असम के बढ़मपुर के घोघर गांव में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां पत्नी के लापता होने और सामाजिक दबाव के बीच एक युवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक की पहचान राजीव बोरा के रूप में हुई है। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, राजीव बोरा की पत्नी देवाश्री बोरा पिछले 10 दिनों से अपने नवजात बच्चे के साथ लापता थी। बताया जाता है कि देवाश्री बोरा एक सीएसपी बैंक की संचालिका थी और अचानक उसके गायब होने से इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि देवाश्री बोरा पर कई महिलाओं के पैसे के गबन के आरोप थे, साथ ही एक बैंक अधिकारी के साथ अवैध संबंधों की भी चर्चा गांव में हो रही थी। इन घटनाओं के चलते परिवार और खासकर राजीव बोरा पर सामाजिक दबाव बढ़ता जा रहा था। इसी तनाव और सामाजिक अपमान से आहत होकर राजीव बोरा ने आत्महत्या की। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

उदालगुड़ी जिला भाजपा महिला मोर्चा ने टंगला में महिला आरक्षण के मुद्दे पर किया प्रदर्शन

उदालगुड़ी (हिंस)। टंगला में आज उदालगुड़ी जिला भाजपा महिला मोर्चा ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भारी विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि राजनीतिक रूप से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए भाजपा जिला महिला मोर्चा विरोध प्रदर्शन किया। उदालगुड़ी जिला टंगला नगर में सुजित नार्जारी प्रेक्षागृह से मंगलदै भूटिया चांग मार्ग से होते हुए बरदलै भवन तक रैली का आयोजन किया गया। रैली में असम प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष निलीमा देवी ने भी हिस्सा लिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर संसद में महिलाओं के लिए राजनीतिक अधिकार के मद्देनजर 33 प्रतिशत आरक्षण वाले बिल का विरोध किया। जिसको लेकर भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों के साथ ही आज उदालगुड़ी जिला भाजपा महिला मोर्चा के सौजन्य से टंगला की महिलाएं हाथों में प्ले कार्ड लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही उदालगुड़ी जिला भाजपा अध्यक्ष अजय हजारिका, सचिव सुजित सरकार, पार्षद अर्जुन दैमारी, दिगंत बरुवा के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति से 5 मई को मिलेंगे सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि वह 5 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के मुद्दे को लेकर होगी। मान ने पहले राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा था ताकि वह पार्टी विधायकों के साथ मिलकर इन सांसदों को *रिकॉल* करने की मांग रख सकें। मीडिया से बातचीत में मान ने बताया कि राष्ट्रपति ने 5 मई को दोपहर 12 बजे का समय दिया है और वह निश्चित रूप से उनसे मुलाकात करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस प्रतिनिधिमंडल में सभी विधायक शामिल होंगे या नहीं।

पूसीरे के लामडिंग मंडल ने खाद्य सुरक्षा मानकों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों के लिए सुरक्षित और साफ-सुथरा आहार सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के लामडिंग मंडल के अधीन लामडिंग मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भोजनालय सहित 10 रेलवे स्टेशनों को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा प्रतिष्ठित इट राइट स्टेशन प्रमाणन मिला है। यह प्रमाणन एफएसएसएआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, 30 मार्च 2026 से 29 मार्च 2028 तक की अवधि के लिए यह प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि लामडिंग के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भोजनालय समेत सिलचर (कछार जिला), करीमगंज (श्रीभूमि जिला), न्यू हाफलंग (डिमा हसाओ जिला), डिफू (कार्बी आंगलोंग जिला), लामडिंग और लंका (होजाई जिला), चापरमुख (नगांव जिला), जागीरोड (मोरीगांव जिला) और सरुपथार (गोलाघाट जिला) रेलवे स्टेशनों को यह प्रमाणन मिला है। यह मान्यता इन स्थानों पर फूड स्टॉल, केटरिंग यूनिट और फूड हैंडलर के विस्तृत ऑडिट के बाद दी गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खाद्य सुरक्षा के कड़े मानकों का पालन, साफ-सुथरा माहौल में आहार तैयार होना, स्टोरेज के सुरक्षित तरीके, अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन और यात्रियों के लिए पौष्टिक खाने के विकल्प मौजूद हैं। यह उपलब्धि रेल अधिकारियों, स्वास्थ्य निरीक्षकों, कैटरिंग इकाइयों, अधिकृत विक्रेताओं और स्टेशन प्रबंधन टीमों के बीच स्वच्छता और खाद्यसुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों और आपसी तालमेल को दर्शाती है। *इट राइट स्टेशन* प्रमाणन, एफएसएसएआई की प्रमुख पहल *इट राइट इंडिया* का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सुरक्षित, स्वस्थ और बेहतर खाद्य सेवाओं को बढ़ावा देना है।

पृष्ठ एक का शेष

एग्जिट पोल : असम...

एग्जिट पोल ने असम के मतदाताओं की नब्ज को बखूबी पकड़ा है। इस एग्जिट पोल की रिपोर्ट राजनीतिक विश्लेषक और पीपल्स पल्स रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के निदेशक डॉ. राजन पांडे ने तैयार की है। अपने व्यापक चुनावी अध्ययन के तहत, पीपल्स पल्स रिसर्च ऑर्गनाइजेशन ने इससे पहले असम में दो *ट्रैकर पोल* भी किए थे। पहला ट्रैकर पोल नवंबर-दिसंबर 2025 में किया गया था, जिसके बाद दूसरा ट्रैकर पोल मार्च 2026 में हुआ। इन्हीं नतीजों के आधार पर, ऑर्गनाइजेशन ने असम के 35 जिलों की सभी 126 विधानसभा सीटों पर एग्जिट पोल किया। इस दौरान कुल 5,000 लोगों का आमने-सामने इंटरव्यू लिया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मतदाताओं का एक मजबूत और सही प्रतिनिधित्व करने वाला नमूना मिल सके। दिलचस्प बात यह है कि वोट शेयर के अनुमानों से ऊपरी तौर पर मुकाबला काफी करीबी लग रहा है। अनुमान है कि भाजपा को 38.6 प्रतिशत वोट मिलेंगे, जबकि कांग्रेस 36.5 प्रतिशत वोटों के साथ पीछे है। हालांकि, वोट शेयर में यह मामूली अंतर चुनावी बराबरी में नहीं बदल पाता। भाजपा की ताकत उसके वोटों के कुशल बंटवारे और मजबूत क्षेत्रीय पकड़ में निहित है, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में वोटों को सीटों में कहीं ज्यादा प्रभावी ढंग से बदल पाती है। छोटी पार्टियों के बीच वोटों का बंटवारा विपक्ष की स्थिति को और कमजोर करता है और परोक्ष रूप से नेडा की स्थिति को मजबूत करता है। वोटरों के व्यवहार को तय करने में नेतृत्व की पसंद लगातार एक निर्णायक भूमिका निभा रही है। सर्वे से साफ पता चलता है कि मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को काफी बढ़त हासिल है; 45 प्रतिशत लोगों ने उनके नेतृत्व को अपनी पहली पसंद बताया है। वह कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से काफी आगे हैं, जिन्हें 35 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है, जबकि बाकी वोट अन्य उम्मीदवारों के खाते में गए हैं। नेतृत्व के मामले में यह बढ़त महिला वोटरों और आदिवासी समुदायों के मजबूत समर्थन से और भी पुख्ता हो जाती है, जो समाज के अहम तबकों के बीच उनकी व्यापक लोकप्रियता को दर्शाता है। क्षेत्रवार विश्लेषण से पूरे असम में चुनावी समीकरणों की बारीकियां सामने आती हैं। ऊपरी असम में, नेडा का दबदबा कायम है और ज्यादातर सीटों पर उसे अच्छी-खासी बढ़त हासिल है, जबकि विपक्ष को कुछ चुनिंदा इलाकों में ही थोड़ी-बहुत सफलता मिलती दिख रही है। मध्य असम की तस्वीर ज्यादा जटिल और प्रतिस्पर्धी है; यहां नगांव, होजाई, कार्बी आंग्लांग, डिमा हसाउ और दरंग जैसे जिलों में कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। निचला असम कई मुस्लिम-बहुल सीटों की मौजूदगी के कारण चुनावी समीकरणों को और भी जटिल बना देता है। इस क्षेत्र में, एआईयूडीएफ पिछले रुझानों की तुलना में अपनी स्थिति बेहतर करती दिख रही है, जिसका मुख्य श्रेय उसके उम्मीदवारों की व्यक्तिगत ताकत को जाता है। उम्मीद है कि यह पार्टी गौरीपुर और श्रीजंग्राम जैसी सीटों पर अच्छा प्रदर्शन करेगी, और चेंगा तथा धुबरी में भी वह भाजपा को कड़ी टक्कर देती नजर आ रही है। इन स्थानीय स्तर की सफलताओं के बावजूद, कुल मिलाकर पलड़ा नेडा के पक्ष में ही भारी दिख रहा है। बराक घाटी क्षेत्र—जिसमें कछार, हैलाकांदी और करीमगंज जिले शामिल हैं—में भी भाजपा ज्यादातर सीटों पर अपनी बढ़त बनाए हुए है। हालांकि, उम्मीद है कि कांग्रेस सोनाई, बरखोला, अल्गापुर-कटलीचेरा और करीमगंज दक्षिण जैसी कुछ चुनिंदा सीटों पर अपनी स्थिति में थोड़ा-बहुत सुधार कर पाएगी। आंकड़ों से परे, एग्जिट पोल उन प्रमुख राजनीतिक रुझानों की पहचान करता है जो चुनावी परिदृश्य को आकार दे रहे हैं—जिनमें एआईयूडीएफ की सीमित वापसी, कांग्रेस-रायजोर दल गठबंधन का प्रतिकूल प्रभाव, और छोटी पार्टियों की *वोट-बांटने वालों* के रूप में भूमिका शामिल है। कुल मिलाकर, ये निष्कर्ष असम में भाजपा के नेतृत्व वाले नेडा के पक्ष में निरंतरता की एक स्पष्ट लहर का संकेत देते हैं। इस आशय की जानकारी पीपल्स प्लस रिसर्च आर्गेनाइजेशन के राजनीतिक विश्लेषक एवं निदेशक डॉ. राजन पांडेय ने दी।

आम लोगों ने भाजपा ...

समुदायों को एसटी दर्जा देने, बेरोजगारी, जुबीन गर्ग की मृत्यु और भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने असम के लोगों से किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों से भाजपा द्वारा किए गए कथित अधूरे वादों पर भी बात की, जिसमें दैनिक मजदूरी में बढ़ोतरी का वादा भी शामिल था। असम में विदेशी नागरिकों का मुद्दा असम समझौते का एक बड़ा हिस्सा था। वे 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम लेकर आए, और उसके बाद, ऐसा लगता है कि वे 2024 तक विदेशियों को असम में लाने की तैयारी में हैं। फिर महंगाई की मार पड़ी। छह समुदायों को एसटी दर्जा देने का वादा किया गया था; बारह साल बीत चुके हैं, और वे बस इसे टालते जा रहे हैं। उसके बाद, असम में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है, जहां 33 लाख से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। उनके लिए कुछ भी नहीं किया गया है। और भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार जैसे दूसरे वादे भी किए गए थे। यह एक मुख्य मुद्दा था कि कांग्रेस बहुत भ्रष्ट थी, इसीलिए बदलाव की जरूरत थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पहले से भी ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ गया है। और कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया; उनके बीच आपस में ही झगड़े होते रहे। अब यह बात भी सामने आ चुकी है कि जुबीन गर्ग से जुड़ा भी एक बड़ा मुद्दा था, जिसमें खुद मुख्यमंत्री ने कहा था कि जुबीन को अप्रैल तक इंसाफ मिल जाएगा, लेकिन वह इस वादे को भी पूरा नहीं कर पाए, उन्होंने कहा। चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों के मामले में, भाजपा ने 2014 में रोजाना 350 रुपए मजदूरी देने का वादा किया था। लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है; यह अभी भी 250 रुपए ही है। इसलिए, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, असम की जनता के पास भाजपा को दोबारा चुनने का कोई कारण नहीं है। यहां तक कि अरुणोदय योजना के तहत मिलने वाले 1250 रुपए भी सभी लोगों तक नहीं पहुंच पाए। जिन लोगों को यह पैसा मिलना चाहिए था, वे इससे वंचित रह गए। और चाय बागानों में, इन सभी बातों का कोई खास असर देखने को नहीं मिला है, उन्होंने आगे कहा। यह दावा करते हुए कि भाजपा के पक्ष में एक अंदरूनी लहर चल रही है, असम के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) ने एग्जिट पोल्स पर असहमति जताई और कहा कि मुझे नहीं लगता कि भाजपा के पक्ष में बहुत ज्यादा वोट पड़े हैं। इसलिए, पूरे असम का दौरा करने के बाद मैंने जो कुछ भी देखा है, उसके आधार पर मैं कह सकता हूं कि भाजपा के खिलाफ एक अंदरूनी लहर चल रही थी, और यही वजह है कि इस बार खामोश मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है। कुल लगभग 2.10 करोड़ मतदाताओं में से 70 लाख से भी ज्यादा मतदाता ऐसे हैं जो युवा हैं, जिनकी उम्र लगभग 29-30 साल है। तो, कुल मिलाकर, मुझे नहीं लगता कि भाजपा के पक्ष में बहुत ज्यादा वोट पड़े हैं। चुनाव के नतीजे कुछ ही दिनों में सामने आ जाएंगे। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि इस बार हमारे लिए हालात अच्छे नहीं रहेंगे। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता कि मेरे लिए हालात बुरे होंगे; मेरा मानना है कि मेरे लिए भी सब कुछ अच्छा ही होगा, सैकिया ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा।

गर्मी का डबल असर...

अप्रैल के मध्य से ही रातें ज्यादा गर्म होने लगीं। 29 अप्रैल को तापमान करीब 28.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि 18 से 29 अप्रैल के बीच लगभग हर दिन तापमान सामान्य से ऊपर रहा। यह स्थिति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। देशभर में कम से कम 17 स्थानों पर रात का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के उमरिया में तापमान 7.7 डिग्री, राजस्थान के फलोदी में 7.6 डिग्री और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 6.1 डिग्री सेल्सियस तक सामान्य से अधिक रहा। इसके अलावा अमृतसर, हिसार, रोहतक, चित्रकूट, सतना और सुंदरगढ़ जैसे इलाकों में भी रात का तापमान काफी ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, लगातार गर्म रातें शरीर पर ज्यादा दबाव डालती हैं। इससे हीट स्ट्रेस बढ़ता है, भले ही दिन का तापमान थोड़ा कम हो जाए। जब रात में भी गर्मी बनी रहती है, तो शरीर को ठंडा होने का समय नहीं मिलता, जिससे बुजुर्गों, मजदूरों और खराब वेंटिलेशन वाले घरों में रहने वालों के लिए खतरा बढ़ जाता है। मौसम विभाग के 2026 के पूर्वानुमान के मुताबिक, देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा न्यूनतम तापमान बना रह सकता है, यानी आने वाले समय में रातें भी गर्म रहने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल चुनाव ...

भवानीपुर सीट पर आमने-सामने हैं। इसके अलावा राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास, जावेद खान, सुजीत बसु, शशि पांजा समेत सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के कई मंत्री, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, माकपा की मीनाक्षी मुखर्जी और दीप्शिता धर शामिल हैं। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ एवं संदेशखाली आंदोलन का चेहरा रेखा पात्र भी भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार हैं। दक्षिण बंगाल के सात जिलों कोलकाता, हावड़ा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली, नदिया और पूर्व बर्धमान की 142 सीटों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। इसमें राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी मतदान प्रक्रिया पर पूरे दिन नजर बनाये रही। मतदान वाले इलाकों में केंद्रीय बलों की 2,231 कंपनियों यानी दो लाख से अधिक जवानों की तैनाती की गई थी। सबसे अधिक 274 कंपनियां केंद्रीय बल की तैनाती राजधानी कोलकाता में की गई। जबकि पूर्व बर्दवान जिले में 263, हुगली (ग्रामीण)क्षेत्र में 236 कंपनी तैनात रही। इसके साथ ही करीब 40 हजार पुलिसकर्मियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया गया था। हालांकि, कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद कई स्थानों से हिंसा और गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई। मतदान शुरू होने से पहले नदिया जिले के चापड़ा विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 53 पर जाने के दौरान भाजपा एजेंट मुशर्रफ मीर पर हमला किया गया। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने एजेंट को बुरी तरह पीटा और उनका सिर फोड़ दिया। कोलकाता की हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर में सुरक्षा बलों ने तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी और निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी को उस वक्त चेतावनी दी जब वे मतदान केंद्र के पास कुछ लोगों के साथ बैठे थे। उधर, भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कालीघाट में शुभेंदु अधिकारी बूथों का दौरा करने पहुंचे, तब वहां मौजूद तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनके खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने *जय श्रीराम* के नारे लगाए। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी से कालीघाट रोड और हरीश मुखर्जी रोड के मोड़ पर माहौल गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख शुभेंदु अधिकारी ने वहीं से चुनाव आयोग को शिकायत की और फोन कर केंद्रीय बल बुलाने की बात कही। कुछ ही मिनटों में बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंच गए। हालात को काबू में करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। दूसरी ओर, कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुबह-सुबह कालीघाट स्थित अपने आवास से निकलकर चेतला और पद्मपुकुर रोड इलाके में मतदान का जायजा लेने पहुंच गईं।

पूरे देश में घरेलू ...

कहा कि देश में एलपीजी वितरक पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण एलपीजी के आयात पर असर पड़ा है लेकिन हमारी घरेलू एलपीजी आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी है। सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधारित घरेलू रसोई गैस सप्लाई भी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि भारत सरकार ने 5 किलोग्राम वाले सिलेंडरों की सप्लाई दोगुनी कर दी है। फरवरी महीने में, लगभग 21 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए। उन्होंने कहा कि अप्रैल में अब तक लगभग 21.05 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा कि अब तक पीएसयू तेल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा लगभग 9,550 जागरूकता कैंप लगाए गए हैं, जिनमें लगभग 1.5 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि रिटेल आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई, कोच्चि, विशाखापट्टनम, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों द्वारा 8,900 टन प्रोपलीन और 950 टन ब्यूटाइल एक्रिलेट की बिक्री की गई है। प्रवर्तन की कार्रवाई भी जारी रही है। वहीं, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि शिपमिन इंडिया 28 अप्रैल तक मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा उर्वरक मंत्रालयों के समन्वय से स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक 8000 से ज़्यादा कॉल और 17000 ईमेल संभाले हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों में 114 कॉल और 276 ईमेल शामिल हैं। मुकेश मंगल ने बताया कि शिपिंग महानिदेशालय ने 2829 भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 29 नाविक शामिल हैं। सभी बंदरगाह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं भी भीड़भाड़ की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मणिपुर : चार जिलों ...

हमले की निंदा की। इन गांवों में कुकी समुदाय के लोग रहते हैं और यहां संदिग्ध उग्रवादियों के साथ गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई थी। इन नेताओं ने यह भी कहा कि राज्य में हुए संघर्ष को लेकर सामने आए बीरेन सिंह के कथित ऑडियो टेप पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में लंबित मुद्दे पर तत्काल न्यायिक कार्रवाई की मांग की। केडब्ल्यूओएचआर ने इस ऑडियो टेप की ट्रांसक्रिप्ट सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त जांच अधिकारी और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सौंपी थी। इसमें एक व्यक्ति की आवाज राज्य में हुई जातीय हिंसा के बारे में बात करता सुनाई देता है। यह आवाज कथित तौर पर बीरेन सिंह जैसी बताई गई है। प्रदर्शनकारियों ने कोईते मैदान से रैली शुरू की और *वॉल ऑफ रिमेम्ब्रेंस* तक मार्च किया। इस दौरान उन्होंने बीरेन सिंह के खिलाफ नारे लगाए और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। बाद में उन्होंने चुराचांदपुर के उपायुक्त के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें ऑडियो टेप मामले में न्यायिक हस्तक्षेप और मुलम व सोंगफेल गांवों पर हमले को लेकर तुरंत कार्रवाई की मांग की गई। मई 2023 से मणिपुर में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा में 260 लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। लगातार हिंसा और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था, जिसे लगभग एक साल बाद चार फरवरी को हटा लिया गया।

बंगाल चुनाव : ईवीएम...

जानकारी के मुताबिक, पोलिंग बूथ के 100 मीटर के दायरे में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ को हटाने के लिए सेंट्रल फोर्स के जवानों ने पर लाठीचार्ज किया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। हालांकि, वोटिंग जारी है। फाल्टा में ईवीएम पर टेप लगाने की घटना पर सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हम भी मॉनिटर कर रहे हैं और जो जरूरी होगा करेंगे। चुनाव आयोग ने भी इस पर संज्ञान लिया है। अगर यह इसी तरह काम करता है, तो जो जरूरी होगा वह किया जाएगा। मैं उम्मीदवार से इस बारे में बात करूंगा। भूपेंद्र यादव ने मुझे सुबह 9 बजे फोन किया। मैंने उन्हें स्थिति बताई। सुवेंदु ने आगे कहा कि कुछ मिनट पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे फोन किया। मैंने उन्हें फाल्टा घटना के बारे में बताया। यह टीएमसी की टेक्निक है। हम एक्शन ले रहे हैं। अभी कुछ नहीं हुआ है। 35 परसेंट वोटिंग हो चुकी है। अभी बहुत कुछ देखना बाकी है। अमित शाह ने सीईओ से सलाह करने के बाद मामले को देखने का निर्देश दिया है। इस पूरी घटना पर भाजपा आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि ममता बनर्जी ने जहांगीर खान के लिए आवाज उठाई थी, जो डायमंड हार्बर के फाल्टा से टीएमसी के उम्मीदवार हैं और उन पर आपराधिक आरोप हैं। आरोप है कि उसने कई पोलिंग बूथों पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप लगा दिया गया, ताकि लोग उन्हें वोट न दे सकें। इसे ही *डायमंड हार्बर मॉडल* कहा जा रहा है, जिसके जरिए अभिषेक बनर्जी ने अपनी सीट पक्की की थी।

जलवायु परिवर्तन से ...

अनुभव, चुनौतियों और सुझावों को भी सुना। वन पंचायतों को *भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे सशक्त कड़ी* बताते हुए बिरला ने कहा कि जमीनी स्तर की संस्थाएं संरक्षण और सुशासन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वन पंचायत से संवाद करना मेरे लिए लोकतंत्र की सबसे सशक्त कड़ी से मिलने जैसा है। उन्होंने कहा कि यहाँ की पंचायतों का अनुभव दिल्ली की पंचायत से कम नहीं है। जल, जंगल और जमीन के पारस्परिक संबंध को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ये प्राकृतिक संसाधन पारिस्थितिक संतुलन और मानव जीवन के आधार हैं। इनका संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामूहिक दायित्व है, जिसके लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय विरासत की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राज्य मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने स्थानीय समुदायों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि जल और वृक्षों के प्रति श्रद्धा जैसी परंपराएं आज भी सतत जीवनशैली का मार्गदर्शन कर रही हैं। राज्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में वन संसाधनों के दोहन के विरुद्ध स्थानीय समुदायों ने प्रभावी प्रतिरोध किया। 1930 के दशक से वन संरक्षण, सुरक्षा और अधिकारों के लिए निरंतर कानून एवं नीतिगत प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में शेष चुनौतियों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय समुदायों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि वन और वन्यजीवों का संरक्षण तभी संभव है जब इनसे जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों और वन पंचायतों से आह्वान किया कि वे जनभागीदारी को बढ़ावा दें, पर्यावरण अनुकूल आजीविका के अवसर विकसित करें तथा संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित करें। योग और आयुर्वेद की वैश्विक बढ़ती स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उत्तराखंड इन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने वन पंचायतों के सहयोग से औषधीय पौधों के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने, उनके वैल्यू एडिशन, शोध और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ एकीकरण पर बल दिया।

एमएसएमई में अप्रेंटिसशिप...

अभी भी मुख्य रूप से बड़े और मध्यम उद्योगों तक सीमित है। वर्तमान में एमएसएमई के 94 प्रतिशत अप्रेंटिस निजी क्षेत्र के संस्थानों में कार्यरत हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि छोटे उद्यमों के लिए विशेष समाधान विकसित करने की आवश्यकता है। एमएसडीई की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने कहा कि भारत के युवाओं की क्षमता को अवसरों में बदलने के लिए शिक्षा और रोजगार के बीच मजबूत संबंध जरूरी है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और यदि इनके लिए अप्रेंटिसशिप को सरल और व्यावहारिक बनाया जाए, तो लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों ने एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रमुख बाधाओं जैसे जागरूकता की कमी और जटिल प्रक्रियाओं पर चर्चा की। साथ ही, निकट भविष्य में पायलट परियोजनाओं को लागू करने और नीति सुधारों के लिए ठोस सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा, ग्रुप ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (जीटीओ), अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) और वर्क-इंटीग्रेटेड लर्निंग प्रोग्राम (डब्ल्यूआईएलपी) जैसे मॉडलों पर भी विचार किया गया, ताकि छोटे उद्योगों के लिए अप्रेंटिसशिप को अधिक सुलभ और आकर्षक बनाया जा सके। कार्यशाला के बाद केंद्रीय अप्रेंटिसशिप परिषद की उपसमिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं, दिव्यांगजनों, एससी/एसटी/ओबीसी वर्गों और दूरदराज क्षेत्रों के लोगों के लिए समावेशी अप्रेंटिसशिप अवसर बढ़ाने पर जोर दिया गया। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एक समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसमें विभिन्न पक्षों की भूमिकाएं, जिम्मेदारियां और समयसीमा तय की गई हैं, ताकि अप्रेंटिसशिप को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सके।

गुवाहाटी में जल ...

लोगों को स्तब्ध कर दिया। जानकारी के अनुसार, गुवाहाटी के बामुनीमैदाम स्थित कॉलेज रोड पर स्थानीय लोगों ने एक भयावह दृश्य देखा। लगातार बारिश के कारण सड़क घुटनों तक पानी में डूबी हुई थी। इसी दौरान पानी में तैरते कचरे के बीच एक कटा हुआ पैर दिखाई दिया, जिसे देखकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और कटे हुए पैर को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी फैल गई है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और कृत्रिम बाढ़ की समस्या के बीच इस तरह की घटना ने शहर की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोलाघाट में सरकारी दवाओं की अवैध बिक्री का भंडाफोड़

गोलाघाट (हिंस)। असम के गोलाघाट जिले में सरकारी अस्पताल की दवाओं और रासायनिक सामग्री की अवैध बिक्री के एक मामले का पर्दाफाश हुआ है। यह कार्रवाई कुशल कोंवर सिविल अस्पताल से जुड़ी है, जहां से सरकारी सामग्री निजी संस्थानों तक पहुंचाई जा रही थी। आज प्राप्त जानकारी के अनुसार, अस्पताल में डायलिसिस मशीन में उपयोग होने वाले रसायनों को एक निजी नर्सिंग होम तक बेचने के प्रयास के दौरान एक सरकारी स्वास्थ्यकर्मी बिस्वजीत सरंगिया, जो कि ऑफिसर इंचार्ज हैं, को रंगे हाथों पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, उक्त रासायनिक सामग्री को निजी अस्पतालों, विशेष रूप से निजी डायग्नोस्टिक सेंटर, तक आपूर्ति की जा रही थी, जिससे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दिलीप डेका ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

असम में ऐतिहासिक मतदान, चार मई को मतगणना : सीईओ अनुराग गोयल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने जनता भवन में आयोजित एक संवाददाता में मतगणना की तैयारियों को लेकर बुधवार को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बार का विधानसभा चुनाव 30-35 वर्षों में सबसे अधिक मतदान दर्ज होने के कारण ऐतिहासिक रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य में कुल 722 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे और 2.5 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने उनके भाग्य का फैसला किया। राज्यभर के 31,486 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया गया, जिनमें सभी पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध थी। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 1,51,132 मतदानकर्मियों के साथ पुलिस और सीआरपीएफ बलों की

तैनाती की गई थी। उन्होंने बताया कि 722 उम्मीदवारों में 663 पुरुष और 59 महिलाएं हैं। प्रारंभ में 815 उम्मीदवारों ने 126 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 1,389 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। जांच के बाद 789 उम्मीदवार पात्र पाए गए, जिनमें से 67 ने नाम वापस ले लिये थे, जिससे अंतिम रूप से 722 उम्मीदवार मैदान में रहे। राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 2,50,54,463 है, जिसमें 1,25,31,552 पुरुष, 1,25,22,593 महिला और 318 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 63,423 सेवा मतदाता भी हैं। मतदाताओं में 6,42,314 युवा आयु वर्ग के हैं, जबकि 2,50,006 मतदाता अन्य आयु वर्ग के हैं और 2,05,085 दिव्यांग मतदाता हैं। दलगांव विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 3,17,110 मतदाता हैं, जबकि अमेरी में सबसे कम 1,00,494 मतदाता दर्ज किए गए हैं। कुल 126 सीटों में से 98 सामान्य, 9 अनुसूचित जाति और 19 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। अलगापुर-काटलीचेरा और दक्षिण करीमगंज सीटों पर सर्वाधिक 15-15 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि रंगिया, जागीरोड (एससी), होजाई, नदुआ, जोनाई (एसटी), दुमदुमा, माहमारा, थावरा और लखीमपुर सहित नौ सीटों पर केवल दो-दो उम्मीदवार हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि मतगणना के बाद किसी भी दल या प्रत्याशी को विजय जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना 4 मई को होगी, जबकि वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को समाप्त होगा।

गुवाहाटी में छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम गलतफहमी के चलते हिरासत के बाद रिहा

गुवाहाटी/रायपुर (हिंस)। गुवाहाटी में एक मामले की जांच के लिए आई छत्तीसगढ़ के रायपुर पुलिस की टीम को ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोपों की गलतफहमी के बाद दिसपुर पुलिस ने हिरासत में लियाा। जानकारी के अनुसार रायपुर से आई पुलिस टीम गुवाहाटी में एक डिजिटल अरेस्ट केस की जांच के सिलसिले में पहुंची थी। इस दौरान टीम पर एक व्यक्ति से मामले को निपटाने के नाम पर धन की मांग करने का आरोप लगाया गया। हालांकि, छत्तीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद गुवाहाटी पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। बताया गया है कि 24 घंटे के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस टीम गुवाहाटी से बीते मंगलवार को रवाना हो गई। छत्तीसगढ़ पुलिस पर आरोप लगाया गया था कि मांगी गई रकम नहीं देने तक संबंधित व्यक्ति को बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर दिसपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरी टीम को हिरासत में ले लिया। हालांकि, दिसपुर पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। दिसपुर पुलिस ने आरोपित पुलिसकर्मियों द्वारा पीड़ित से वसूली गई रकम भी बरामद करने का दावा किया। वहीं दूसरी ओर इस संबंध में छत्तीसगढ़ पुलिस ने बताया है कि यह मामला रायपुर (छत्तीसगढ़) के टिकरापारा थाने में दर्ज डिजिटल अरेस्ट केस से जुड़ा है। मामले में टीआई रवींद्र यादव सहित एक एएसआई, एक हवलदार और अन्य पुलिसकर्मी गुवाहाटी गए थे। आरोप है कि रायपुर पुलिस ने पैसे लेकर आरोपियों को छोड़ दिया। असम पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस टीम पर गंभीर आरोप लगाए। गुवाहाटी पुलिस का दावा है कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक आरोपित को पकड़ने के बाद दो अन्य आरोपियों को कथित तौर पर पैसे लेकर छोड़ दिया। इसी आरोप में गुवाहाटी पुलिस ने चारों पुलिसकर्मियों को हिरासत में ले लिया। रायपुर के पुलिस उपायुक्त संदीप पटेल ने आज बताया है कि टीम गुवाहटी में आरोपियों को गिरफ्तार करने गई थी। टीम ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे ठगी गई रकम की रिकवरी शुरू की थी। रिकवरी रकम को घूस बताकर आरोपियों के रिश्तेदारों और मोहल्लेवालों ने पुलिसकर्मियों को घेरा और गुवाहटी पुलिस को सूचना दी। छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद करीब 24 घंटे बाद गुवाहाटी पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। पुलिस टीम अब गुवाहाटी से रायपुर के लिए रवाना हो गई है। घटना सोमवार को हुई थी। मंगलवार को बातचीत के बाद टीम वहां से रवाना हुई है।

गुजरात के नगर निकायों और पंचायत चुनाव में भाजपा की जीत गुजरात की जनता की जीत : प्रदेश भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने राज्य के स्थानीय नगर निकायों, निगमों और जिला पंचायतों में भाजपा की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत के लिए गुजरात की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह जीत दर्शाती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, गुजरात का विकास मॉडल न केवल राज्य की जनता के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। प्रदेश भाजपा की ओर से आज जारी एक बयान में कहा गया है कि गुजरात में हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनावों में, नगर निगमों की कुल 1,044 सीटों में से भाजपा ने 937 सीटें जीतीं; नगर पालिकाओं की 2,624 सीटों में से 1,976 सीटें हासिल कीं; 1,090 जिला पंचायत सीटों में से भाजपा ने 893 सीटें जीतीं; और 5,234 तालुका (क्षेत्रीय) पंचायत सीटों में से 3,829 सीटें हासिल कीं, इस प्रकार एक शानदार जीत दर्ज की। स्थानीय निकाय चुनावों में अपने लगातार मजबूत प्रदर्शन को जारी रखते हुए, भाजपा ने एक बार फिर निर्णायक जीत हासिल की है, और विपक्ष को पूरी तरह से पीछे छोड़ दिया है। 2021 में भी, भाजपा ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी। उस वर्ष, भाजपा ने सभी जिलों में स्पष्ट बहुमत हासिल किया था, जिसमें छह प्रमुख नगर निगम-अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, भावनगर और जामनगर भी शामिल थे। नगर निगमों के साथ-साथ, भाजपा अधिकांश नगर पालिकाओं, जिला पंचायतों और तालुका पंचायतों में भी विजयी रही। विशेष रूप से, मार्च 2021 में, गुजरात की विभिन्न नगर पालिकाओं की 8,470 सीटों में से भाजपा ने 6,206 सीटें जीती थीं। भाजपा की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हमेशा सत्ता के विकेंद्रीकरण के माध्यम से गांवों, कस्बों और शहरों के लिए संतुलित और समावेशी विकास के सिद्धांत में विश्वास रखा है। 2047 तक भारत को दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति में बदलने के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार करने के लिए, गांवों, कस्बों और शहरों, सभी के विकास और प्रगति को सुनिश्चित करना अनिवार्य है। गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत एक बार फिर उस भरोसे और विश्वास को दर्शाती है, जो गुजरात की जनता का पार्टी में है। यह भरोसा और विश्वास समावेशी तथा संतुलित विकास के विजन में निहित है।

जुबीन गर्ग मर्डर केस में बड़ी कार्रवाई
मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के बैंक खाते जब्त करने का निर्देश

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग मर्डर केस में जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई सामने आई है। विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने आज जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के बैंक खातों को जब्त करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि सिद्धार्थ शर्मा के साथ लेनदेन करने वाले कई अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों को भी जब्त किया जाए। इस कदम को मामले की वित्तीय जांच को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इसके अलावा अदालत ने सिद्धार्थ शर्मा के स्वामित्व वाली *महावीर एक्वा* को भी जब्त करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालत को जिम्मेदारी सौंपी थी। बीते कई दिनों से चल रही सुनवाई के बाद आज अदालत ने यह महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। उल्लेखनीय है कि जुबीन गर्ग की हत्या के आरोप में सिद्धार्थ शर्मा जेल में बंद हैं। बीते कई दिनों तक उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद मंगलवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फैसले को 2 मई तक के लिए सुरक्षित रखा।

दो करोड़ रुपए मूल्य का याबा टैबलेट बरामद, एक गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिलांतर्गत इलाके से पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित याबा टैबलेट जब्त किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि हैलाकांदी के रामनाथपुर पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान एक वाहन से भारी मात्रा में याबा टैबलेट बरामद किया गया। वाहन से अभियान के दौरान पुलिस ने 45 हजार याबा टैबलेट बरामद किया है। जिसकी कीमत लगभग 2 करोड रुपए आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ड्रग तस्कर की पहचान रमेश भूटानी के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

ट्रक से टकराई कार, एक की मौत, छह घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जागीरोड इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुए एक सड़क हादसे में कार में सवार एक युवक की मौत हो गई। कार में कुल सात व्यक्ति सवार थे। घायलों अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि बुधवार की तड़के लगभग 1-45 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर फ्लाईओवर के सामने एक सड़क दुर्घटना हुई। सड़क किनारे एक ट्रक (एएस-25 एफसी-1945) खराब होने के कारण खड़ा था। इसी बीच, नगांव की तरफ से गुवाहाटी की तरफ आ रही एक स्वीफ्ट डिजायर कार (एएस-02एई-2640) ने खराब ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। जिसके परिणामस्वरूप, कार में सवार सात यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घायलों की पहचान अशादुल अली (23, नगांव); रसीदुल इस्लाम (25, नगांव); जाबेद अली (28, बरपेटा); इनामुल हक (34, नगांव); रसीदुल इस्लाम (23, नगांव); अशिकुल इस्लाम (27, नगांव) एवं एक अज्ञात व्यक्ति (जो बेहोश था और कुछ भी बता पाने की स्थिति में नहीं था) के रूप में की गई है। घायल व्यक्तियों को तुरंत इलाज के लिए नाखोला एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने एक व्यक्ति अशिकुल इस्लाम (27) को मृत घोषित कर दिया।

रंगिया : एसएसबी का विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनीं के कमांडेंट एचके गुप्ता के दिशा-निर्देश पर बल वाहिनीं चिकित्सालय प्रांगण में बुधवार को एक विशेष स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाहिनीं के संदीक्षा परिवार की अध्यक्षा संजना गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में वाहिनीं की उप कमांडेंट (चिकत्सा) डॉ. बंदना देवी एवं उनकी टीम द्वारा चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान बल वाहिनीं के कार्मिकों, उनके परिजनों तथा संदीक्षा परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। बताया गया है कि शिविर का मुख्य उद्देश्य गंभीर एवं जानलेवा बीमारी के प्रति संदीक्षा परिवार के सदस्यों, बल के कार्मिकों तथा उनके परिवारजनों को जागरूक करना, समय पर जांच के महत्व को समझाना तथा स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस मौके पर संदीक्षा परिवार की अध्यक्षा संजना गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार के विशेष स्वास्थ्य जांच को कार्मिकों एवं उनके परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया।

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर गौहाटी विश्वविद्यालय में *सत्रिया वैभवम* का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर गौहाटी विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं संस्कृति केंद्र तथा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और स्नातकोत्तर छात्र संघ के सहयोग से आज फणिधर दत्ता सभागार में भव्य कार्यक्रम के साथ *सत्रिया वैभवम* शीर्षक से कार्यक्रम आयोजित किया गया। नृत्य, संस्कृति और शोध के माध्यम से सत्रिया कला के संरक्षण और प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सत्रिया नृत्य की गौरवशाली परंपरा और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध कलाकार बायनाचार्य घनकांत बरादेव ने कहा कि सत्रिया नृत्य हमारी संस्कृति और भक्ति की एक सुंदर अभिव्यक्ति है; इसका संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय नाट्यशास्त्र के अनुरूप सत्रिया नृत्य गुरुजन के दर्शन और शिक्षाओं को आगे बढ़ाता है। यह नृत्य केवल एक कला नहीं, बल्कि असम की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत दस्तावेज है। कार्यक्रम में असम की प्रसिद्ध सत्रिया कलाकार

मल्लिका कंदली ने *नायिका वेदा इन सत्रिया डांस* विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करने के साथ-साथ अपनी प्रस्तुति भी दी। डॉ. अन्वेषा महंत द्वारा संचालित *सत्रीया आर्ट्स: प्रेजेंट सिनेरियो, प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज,* विषयक चर्चा सत्र में संगीता बोरा, अजय सरकार, अरुणाभ ज्योति मालाकार और धनमणि दास ने विषय पर विस्तृत चर्चा की। परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं संस्कृति केंद्र के निदेशक प्रोफेसर प्रांजल सैकिया के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर उत्पल शर्मा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉ. चोपम रणबीर सिंह, केंद्र के प्रोफेसर, विशिष्ट अतिथि, शोधार्थी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भारत का सर्वोच्च न्यायालय
समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026

न्याय को सरल एवं सुलभ तरीक से घर-घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्त रूप देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 का आयोजन 21 अप्रेल 2026 से आरम्भ किया जा रहा है जिसकी परिणति 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगी।

विशेष लोक अदालत का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त को होगा जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामले शामिल किया जायेगा। विशेष लोक अदालत पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्य / जिला / तालुका / उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकार / समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। इस सुलह वार्ता का आयोजन 21 अप्रेल 2026 को समाधान समारोह के आरम्भ के साथ शुरु हो जायेगा ।

इस समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) के आयोजन का लक्ष्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति से निष्पादन करना है।

सभी सम्बंधित पक्षों को आमंत्रण

अधिवक्तागण, वादकारियों तथा अन्य सभी सम्बंधित पक्षों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए आमंत्रित किया जाता है। 21 अप्रैल 2026 से आरम्भ हो रहे समाधान समारोह में आपसी सहमति एवं वार्ता से समाधान तलाशने का प्रयास किया जायेगा। इन सुलह-बैठकों का आयोजन राज्य / जिला / तालुका / उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकार / समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ तथा / अथवा सचिव विधिक सेवा प्राधिकार / समिति पक्षकारों की मदद करेंगे। पक्षकार इन सुलह-प्रयास हेतु बैठकों / वार्ताओं में सशरीर अथवा आभासी रूप से शामिल हो सकते हैं ।

अपने मामले (जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है) को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) में कैसे शामिल करें।

इस वास्ते गूगल फॉर्म तैयार किया गया है। इस गूगल फॉर्म को भरना अत्यंत सरल है। इसे भरकर अपने मामले को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 में शामिल किया जा सकता है। यह गूगल फॉर्म माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वेबसाइट https://www.sci.gov.in पर उपलब्ध है।

गूगल फॉर्म लिंक-
https://forms.gle/pRWbif6wAPrcgMsZ8
गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि : 31 मई, 2026
हर प्रकार की सहायता / जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) हेतु बनाय गये वन स्टॉप सेन्टर (वार रूम) इंचार्ज का सम्पर्क नं- 011-23115652; 011-23116464
सी.आर. पी निदेशक का सम्पर्क नं0- 011-23115652, 011-23116465
वन स्टॉप सेन्टर (कक्ष संख्या 806 एवं 808, बी ब्लॉक, अतिरिक्त भवन परिसर, सर्वोच्च न्यायालय) लैण्डलाइन नं0- 011-23116464
इमेल - speciallokadalat2026@sci.nic.in
माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित में जारी

-- DIPR /D/ VBS- 5/30-Apr-26

गुवाहाटी लापता महिला मामला : 48 घंटे बाद सामने आई भावना शर्मा
कहा, आत्महत्या के इरादे से गई थी शिलांग

गुवाहाटी (हिंस)। पिछले दो दिनों से लापता चल रही गुवाहाटी की एक महिला सुरक्षित घर लौट आई है और सामने आकर पूरे घटनाक्रम पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। भावना शर्मा ने खुलासा किया कि वह शिलांग आत्महत्या करने के इरादे से गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। सोशल मीडिया पर बीती रात जारी एक वीडियो संदेश में भावना ने स्पष्ट किया कि उनके गायब होने में किसी तीसरे व्यक्ति की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कैब चालक या किसी बाहरी व्यक्ति के शामिल होने की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को वह स्वयं घर से निकलीं और जालुकबाड़ी से पलटन बाजार होते हुए शिलांग पहुंचीं। वहां उन्होंने अकेले एक होटल में ठहराव किया और कहा कि सीसीटीवी फुटेज से यह साबित हो जाएगा कि पूरे सफर के दौरान वह अकेली थीं। भावना ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी मां को जो *खतरे में होने* का संदेश भेजा था, वह गलत था और मानसिक तनाव की स्थिति में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि उस समय मैं मानसिक रूप से स्थिर नहीं थी। मैं घबराई हुई, उलझन में थी और साफ सोच नहीं पा रही थी। एक समय ऐसा भी आया जब मैंने अपनी जिंदगी खत्म करने के बारे में सोचा, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि मैं ऐसा नहीं कर सकती और वापस लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने आगे बताया कि अगली सुबह बाहर बैठने के दौरान उन्होंने एक महिला से मदद मांगी और अपनी मां से संपर्क किया। असम पुलिस की सहायता से वह सुरक्षित घर लौट आईं। भावना ने आरोप लगाया कि वह पिछले दो वर्षों से निहार ज्योति शर्मा नामक युवक के साथ संबंध में थीं, जिसके दौरान उन्हें भावनात्मक दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस संबंध की जानकारी दोनों परिवारों को थी। उनके अनुसार, संबंध खत्म करने की कोशिश करने पर उन्हें निजी फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी गई। साथ ही उनके और उनके परिवार के खिलाफ भी डराने-धमकाने की बातें कही गईं, जिससे वह लंबे समय तक भय में जीती रहीं। उन्होंने कहा कि इन्हीं परिस्थितियों और मानसिक दबाव के कारण उन्होंने 24 अप्रैल को घर छोड़ने का कदम उठाया। भावना ने पुष्टि की कि इस मामले में उन्होंने एफआईआर दर्ज करा दी है और पुलिस जांच में सहयोग कर रही हैं। अपने संदेश के अंत में उन्होंने ऐसे हालात से गुजर रहे लोगों से अपील की कि वे चुप न रहें और समय रहते मदद लें।

कामरूप जिले में उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जागरूकता अभियान

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में किसानों को यूरिया, डीएपी, एनपीके आदि उर्वरकों के संतुलित उपयोग के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कामरूप जिला कृषि कार्यालय की पहल से कृषि विज्ञान केंद्र, काहिकुची के सहयोग से आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य लक्ष्य जिले के सभी कृषि विकास अधिकारी सर्कल के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक से 100-100 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करना है। जागरूकता सभाओं में विशेषज्ञों ने मिट्टी की उर्वरता संरक्षण के लिए उर्वरकों के उचित उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ ही यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होने के बारे में किसानों को अवगत कराया। विशेषज्ञों ने किसानों से जैविक उर्वरकों का उपयोग, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने का आह्वान किया।

संपादकीय

हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह, यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्य असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता-फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है - 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरू जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया। यह अशोभनीय प्रयास यही दर्शाता है कि वर्ग विशेष में असहमति को राजनीतिक उद्देश्यों के लिये हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उदय प्रकरण भी इसी दुखद स्थिति के सिलसिले का हिस्सा है। हाल ही में कॉमेडियन अनुदीप कटिकाला और रफीक मोहम्मद को आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन वीडियो के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उन्होंने उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण पर व्यंग्य किया था। बीते साल मार्च में, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई के एक होटल में तब तोड़फोड़ की थी, जब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पक्षद्रोही कहा था। निर्विवाद रूप से यदि व्यंग्य-विनोद पर पाबंदी लगायी जाती है और कलाकारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को बाधित किया जाता है तो इसका प्रभाव सिर्फ एक शो को ही बाधित नहीं करता। बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत पर ही चोट करता है। सही मायनों में यह दिक्कत कॉमेडी करने वालों से नहीं है, बल्कि राजनेताओं के असुरक्षाबोध में है, जो उन पर लोगों का हंसना बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसे में राजनेताओं का नैतिक दायित्व है कि वे लोकतंत्र में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मर्म को समझें। इसके लिये वे अपने अति-उत्साही समर्थकों पर लगाम लगाएं। लेकिन विडंबना यह भी है कि पुलिस भी सत्ता की राजनीति के आगे नतमस्तक नजर आती है। कायदे से उसे भारतीय संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करनी चाहिए। यदि पुलिस दायित्वों का ईमानदारी से पालन करती तो उदय जैसे कलाकारों को माफी न मांगनी पड़ती।

जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है।' नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह, यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि

सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा। निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग है। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

देश | दुनीया से

आधुनिकता की आत्मघाती मादकता

जैसे किसी मादक पदार्थ या मदिरा में डूबे हुए व्यक्ति को उसके शुभचिंतकों द्वारा मादकता त्याग के लिए लाख समझाए जाने के बाद भी, व्यक्ति हठ नहीं छोड़ता तथा मादकता में अधिक डूबता जाता है, और अंततः अति मादकता से ग्रस्त हो या तो असमय मृत्यु का ग्रास बनता है अथवा जीवनभर निष्क्रिय विकलांग की भांति पड़ा रहता है, ठीक वैसे ही आधुनिकता की आत्मघाती मादकता में गहरे डूबे हुए सामान्य व विशिष्ट लोगों को ऋतु विकृतियों, जलवायु असंतुलन के कारण उत्पन्न अति शीत, अति ग्रीष्म एवं असामान्य तीव्र वायु संचार की प्राकृतिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु बारंबार बताए जाने के बाद भी, वे आधुनिकता की आत्मघाती मादकताओं में अधिक से अधिक डूब रहे हैं। मानव बनना भूल रहे हैं। स्वयं की सामाजिक सहभागिता से पृथक हैं। वृक्ष-वनस्पतियों के प्रति ध्यानहीन हैं। ऋतुओं की प्रतिकूलता से अनभिज्ञ हैं। प्रकृति की दैनिक सामान्य गतिविधियों में उत्पन्न असहनीय जीवन-मारक परिवर्तनों से अपरिचित हैं। जब ऐसे अधिसंख्य लोग वृक्षों व वनों के प्रति दयालु बनेंगे, तब ही तो प्रकृति के कल्याण कर्म हो सकते हैं। जब मनुष्यों में प्राकृतिक संवेदना एवं स्पंदन होगा, तब ही तो पंचतत्त्वों की मौलिकता पुनर्स्थापित हो सकेगी। गहन दुःख है कि ऐसा नहीं हो रहा है। मनुष्य स्वयं की काया व मन के प्रथम प्रतिनिधि धरती, जल, आकाश, वायु तथा अग्नि के प्रति ही सर्वाधिक उदासीन बने हुए हैं। इनकी तुलना में उसे मशीनें अधिक प्रिय हैं। वह प्रत्येक चल-अचल मशीन को अपने पास रखना चाहता है। इस संग्रह-लालच के कारण वह संतोष प्राप्त करना चाहता है। किंतु वह असफल है। संतोष के लिए उसने अपने चहुंओर भौतिक विलासिताओं, वस्तुओं एवं सुविधाओं का ढेर लगा दिया है, किंतु तब भी वह असंतुष्ट है। इस किंकर्त्तव्यविमूढ़ता में वह कभी विज्ञान की कथनी-करनी के वेग में बह रहा है तो कभी धर्म के पाखंड कर रहा है। ईश्वर की भक्ति की आड़ में कालांतर से निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु पनपे अनावश्यक कर्मकांडों में लिप्त है। दोनों प्रकार के उपाय कर लेने के बाद भी वह व्यथित-दुःखित है। उसे आत्मशांति नहीं है। वास्तव में मनुष्य का ध्यान अपनी काया-मन के पंच आधारों की प्राणघाती विकृतियों के निदान की ओर होना चाहिए। उसकी दृष्टि उन कारकों की पहचान करने में अक्षम है, जो असंतुलित प्रकृति के कारण उसकी सभी कठिनाइयों के वास्तविक दोषी हैं। यहां-वहां, जहां-जिधर देखो पैदल मार्गों पर कठोर, शुष्क सीमेंट बिछा हुआ है, जो जलवायु के विषैले परिवर्तनों द्वारा निरंतर कठोर व शुष्क हो रहा है। पैरों के नीचे गीली मिट्टी, हरी घास व दूब नहीं है। आंखों के लिए हरियाली कम हो रही है। जीवन के स्वरूप में विद्यमान मनुष्य काया निरंतर प्रकार-प्रकार के असाध्य रोगों से घिर रही है। काया ही नहीं, मन भी रोगी है। वृक्षों, वनस्पतियों, वनों, हरियाली द्वारा अनुकूल बना रहने वाला पर्यावरण अब शुष्कता, कठोरता व ऋतुगत दरिद्रता की परिधि में है। ऋतुओं की अव्यवस्था का प्रदर्शन यह है कि आधुनिक दिन, घटी, घड़ी, करण, वार, नक्षत्र, तिथि गणना के अनुसार यदि वैशाख का उत्तरार्द्ध विद्यमान है, तो ऋतु का वास्तविक अनुभव ज्येष्ठ माह की तापयुक्त ग्रीष्म जैसा हो रहा है। यह असंतुलनगामी परिवर्तन भी अपनी विकृति के साथ स्थायी नहीं है। क्योंकि इस वैशाख के अंतिम सप्ताह से पूर्व का सप्ताह जहां ग्रीष्म ताप की कठोरता, लू तथा ग्रीष्मयुक्त तीव्र वायु प्रसारण से ग्रस्त रहा, वहीं अंतिम सप्ताह के आरंभिक दिवसों में ताप, लू व वायु प्रसार में कमी हुई है। त्वरित असंतुलन, अस्थायित्व एवं विकृतियों की स्थिति में मनुष्य काया में निहित पंचतत्त्व प्रकृति के अनुसार अपनी स्थिति परिवर्तित करने में असमर्थ हैं। इससे अज्ञात रोगों की उत्पत्ति हो रही है। आधुनिक जीवन में साधारण से भी अति साधारण जीवन व्यतीत कर रहे व्यक्ति ऐसे प्राकृतिक परिवर्तन तथा परिवर्तन के कारण उत्पन्न रोगों का निदान करने में पूर्णतः असमर्थ हैं। ऐसे अरबों लोगों मे प्राकृतिक विकृतिजन्य परिवर्तन सहने की शक्ति अकस्मात कहां से आएगी। धरती तथा व्योम के मध्य परिव्याप्त प्राकृतिक पारिस्थितिकी क्षण-क्षण परिवर्तनगामी है। यह पर्यावरणचक्र कृषि पर तो वज्राघात कर ही रहा है, साथ ही मनुष्य की जीवनशक्ति भी समाप्त कर रहा है। जब से ऐसा हो रहा है तब से धरती, आकाश, जल, वायु पर एक विकृत आवरण चढ़ा रहता है। कोई भी तत्त्व अपने नैसर्गिक, प्राकृतिक एवं मौलिक स्वरूप में नहीं है। परिणामस्वरूप, मानव भी अपने तन-मन के साथ एक बिगड़ा हुआ यंत्र बन चुका है। मानवीयता के जितने भी गुण उसके लिए निर्धारित थे, सभी विलोपित हैं। ऐसे में जीवन के प्रति आशा कैसे बनी रहे! इस परिस्थिति में जीवित होने का अभिप्राय क्या है? ऐसे में संवेदनशील मनुष्यों के लिए भविष्य की क्या योजनाएं होनी चाहिए? इस आधुनिक कारा में घुटन के साथ बंद आशावान मनुष्य क्या करें? ऋतु अस्थिरता, अव्यवस्था एवं दुर्दशा का समाधान क्या होना चाहिए? इन प्रश्नों ने व्यग्र कर दिया है। ऐसे में स्मृति में वनस्पतिरोपण, पौधारोपण एवं बीजारोपण उभरता है। एक निरंतर चलने वाले विशाल जनाभियान के माध्यम से देश के प्रत्येक छोटे व बड़े, सभी मोटर मार्गों, राजमार्गों तथा पैदल पथों पर प्राकृतिक शुद्ध वायु प्रदान करने वाले वृक्षों की पौध लगाई जाए। जितनी देश की जनसंख्या है, उसकी आधी संख्या के बराबर पौध लगाई जाए। इस अभियान को शासकीय, नागरिक तथा मानवीय कत्तव्य समझकर निरंतर किया जाए। कम से कम बीस वर्षों की एक अवधि निश्चित कर जीवनानुकूल विभिन्न वृक्ष प्रजातियों की पौध लगाई जाए। इनमें पीपल, आम, शीशम, वट, नीम, जामुन, कंदमूल इत्यादि वृक्ष प्रजातियों के पौध सम्मिलित हों। अन्य उपयोगी वृक्षों एवं पुष्पलताओं की प्रजातियों का बीजारोपण किया जाए। यदि आज देशभर में इन वृक्ष व पुष्प प्रजातियों की साठ-पैंसठ करोड़ पौध लगाई जाए, उनकी आगामी बीस वर्षों तक शिशुओं की भांति देखभाल की जाए और उन्हें किसी भांति परिश्रमपूर्वक विशाल वृक्षों में परिणत कर दिया जाए तो निश्चित है कि जलवायु अनुकूलन की दिशा में आश्चर्यचकित करने वाली सफलता प्राप्त होगी। यदि गांव-गांव, गली-गली, मोहल्लों, चौक-चौराहों तथा नगरों-महानगरों में पौधारोपण का ऐसा अभियान एक राष्ट्रीय कत्तव्य बनकर उभरता है तथा पौधों की देखभाल व सेवा-सुश्रुषा करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्राप्त होता है तो भावी पीढ़ी के लिए आगामी वर्ष अपेक्षित जलवायु संतुलन के साथ उपस्थित होंगे। प्राकृतिक असंतुलन को केवल और केवल हरित आवरण ही नियंत्रित कर सकता है। अतः इस प्रस्तावित वनस्पति यज्ञ में समाज के प्रत्येक वर्ग की आहुति अनिवार्य है। विद्यालयों में बच्चों को एक छात्र, एक वृक्ष का संकल्प दिलाया जाना चाहिए। विवाह, जन्मोत्सव या किसी भी मांगलिक अवसर पर उपहारों के स्थान पर पौधों का आदान-प्रदान एक सामाजिक संस्कार बनना चाहिए। भारत की भौगोलिक विविधता के अनुसार क्षेत्र-विशिष्ट प्रजातियों का चयन करके उनका रोपण करना होगा।

आप का | नजरीया

लद्दाख में नई पहल

जम्मू कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद- दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरणविद् व शिक्षाविद् सोनम वांगचुक, जिन्हें गत माह केंद्र सरकार ने लगभग छह माह की हिरासत के बाद रिहा किया था, ने भी शाह की यात्रा के दौरान एक रचनात्मक संवाद की जरूरत पर बल दिया है। वैसे राजग के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गाहे-बगाहे लद्दाख के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती रही है। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि अभी तक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर उसका दृष्टिकोण स्पष्ट नहीं है। बहरहाल, क्षेत्र में पर्यटन नियमों में ढील और रोजगार के अवसरों को विस्तार देना जैसे सुधार, लद्दाख की आर्थिकी को गति देने का सार्थक प्रयास जरूर कहा जा सकता है। यह भी एक हकीकत है कि नवीनतम प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर जो आशावाद है, वह तभी सार्थक साबित होगा, जब इससे समावेशी विकास, बेहतर शासन और उचित राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी। वहीं दूसरी ओर सरकार को इस व्यापक परिप्रेक्ष्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि लद्दाख चीन सीमा से लगा रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। इसीलिए यहां शांति बनाये रखना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें सितंबर, 2025 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन को एक सबक की तरह लेने की जरूरत है।

लेह और कारगिल के बाद- दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं।

कुछ | अलग

नारी सशक्तिकरण

महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने अनूठी पहल की है। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन का संकल्प लिया है। इस संकल्प लेने का उद्देश्य है कि विधेयक को कानूनी रूप देते समय जो चूक हो गई थी, उसे संशोधित कर दिया जाए। इसमें प्रावधान है कि 2021 की जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह कानून लागू होगा। किंतु कोरोना के चलते 2021 की जनगणना टालनी पड़ी। अब जनगणना के पहले चरण की शुरुआत हुई है, जिसके अंतिम परिणाम 2028 तक आएंगे। इसलिए केंद्र सरकार विधेयक के पारित हो चुके प्रारूप में संशोधन के लिए प्रस्ताव लाई थी, जो संसद में पारित नहीं हो सका। 2023 में पारित हुए इस विधेयक में संशोधन किए बिना 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। परिसीमन से तात्पर्य निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से है। वास्तव में संसदीय विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संशोधन परिसीमन और केंद्र शासित क्षेत्र कानून संशोधन विधेयकों को अस्वीकार करके बड़ी भूल की है। इस कारण 2029 के चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाएं आरक्षण के लाभ से वंचित रह जाएंगी। नरेंद्र मोदी जब से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, तभी से लगातार उन्हें चुनावों में नारियों ने बढ़-चढ़कर समर्थन दिया है। इसी कारण न केवल मोदी लोकसभा में तीसरी बार बहुमत लाने में सफल रहे बल्कि भाजपा और राजग गठबंधन के सहयोगी दलों को विधानसभाओं में भी विजय दिलाने में सफल हुए हैं।

दृष्टि | कोण

परीक्षाओं में नकल : जिम्मेदार कौन, समाधान क्या

हर वर्ष जब वार्षिक परीक्षाओं का समय आता है, तो शिक्षा व्यवस्था की साख दांव पर लग जाती है। परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, परिश्रम और नैतिक मूल्यों का आकलन करने का साधन होती है। किंतु विडंबना यह है कि नकल जैसी कुप्रथा इस पवित्र प्रक्रिया को कलंकित कर रही है। प्रश्न उठता है कि आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है- विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, प्रशासन या पूरा समाज? और इससे निजात पाने के उपाय क्या हो सकते हैं? सबसे पहले यदि विद्यार्थियों की बात करें, तो नकल का सीधा आरोप उन्हीं पर लगता है। कई विद्यार्थी कठिन परिश्रम से बचने के लिए शॉर्टकट अपनाते हैं और नकल को आसान रास्ता मान लेते हैं। प्रतिस्पर्धा का दबाव, असफलता का भय और अधिक अंक प्राप्त करने की होड़ उन्हें इस ओर धकेलती है। लेकिन केवल विद्यार्थियों को दोष देना समस्या का पूर्ण समाधान नहीं है। अभिभावकों की भूमिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। आज के समय में माता-पिता अपने बच्चों से अवास्तविक अपेक्षाएं रखते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा हर हाल में अच्छे अंक लाए, भले ही वह किसी भी तरीके से क्यों न हो। कई बार अभिभावक स्वयं भी नकल को नजरअंदाज कर देते हैं या अप्रत्यक्ष रूप से उसे बढ़ावा देते हैं। यह मानसिकता बच्चों के चरित्र निर्माण को कमजोर करती है। शिक्षकों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि शिक्षक कक्षा में सही ढंग से पढ़ाई नहीं कराते या विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान नहीं करते, तो विद्यार्थी आत्मविश्वास खो देते हैं और नकल का सहारा लेते हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों में कुछ शिक्षकों की लापरवाही या मिलीभगत भी नकल को बढ़ावा देती है। जब निगरानी कमजोर होती है, तो नकल को रोकना मुश्किल हो जाता है। प्रशासनिक तंत्र की कमियां भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। कई स्थानों पर परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त निगरानी नहीं होती, सीसीटीवी कैमरों की कमी रहती है या नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। कभी-कभी राजनीतिक या सामाजिक

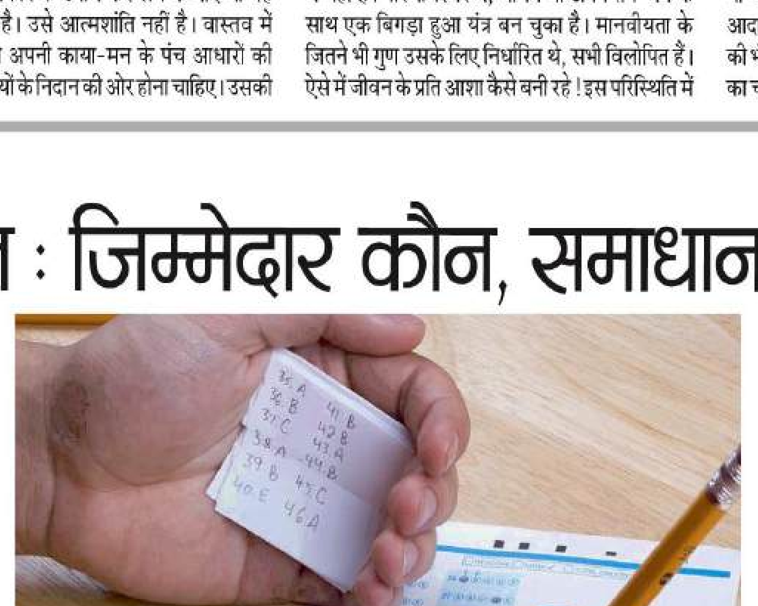

दबाव के कारण भी प्रशासन कठोर कार्रवाई से बचता है। इससे नकल करने वालों का मनोबल बढ़ता है। यदि व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो समाज भी इस समस्या के लिए जिम्मेदार है। आज के दौर में सफलता को केवल अंकों और प्रमाणपत्रों से मापा जाता है। नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और मेहनत को उतनी प्राथमिकता नहीं दी जाती। जब समाज में 'परिणाम ही सब कुछ है' जैसी सोच हावी हो जाती है, तो नकल जैसी प्रवृत्तियां स्वाभाविक रूप से पनपने लगती हैं। अब प्रश्न है कि इस समस्या का समाधान क्या है? सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है- शिक्षा प्रणाली में सुधार। पाठ्यक्रम को ऐसा बनाया जाए जो रटने की बजाय समझ और विश्लेषण पर आधारित हो। यदि परीक्षा का स्वरूप बदलेगा, तो नकल की संभावना भी कम होगी। दूसरा, विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा और मूल्यों का विकास करना आवश्यक है। स्कूलों और कॉलेजों में ईमानदारी, आत्मनिर्भरता और परिश्रम के महत्व पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जब विद्यार्थी स्वयं समझेंगे कि नकल उनके भविष्य के लिए हानिकारक है, तभी वे इससे दूर रहेंगे। तीसरा, अभिभावकों को अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने की बजाय उनकी क्षमता और रुचि के अनुसार प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि असफलता भी जीवन का एक हिस्सा है और उससे सीखकर आगे बढ़ना ही असली सफलता है। चौथा, शिक्षकों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। उन्हें न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी चाहिए, बल्कि परीक्षा के दौरान सख्ती से निगरानी भी करनी चाहिए।

जौनपुर में कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

जौनपुर (हिंस)। यूपी के जौनपुर में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने देर रात जिले भर के कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया गया। इनमें कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह को सुजानगंज स्थित उनके आवास पर पुलिस बल की निगरानी में रखा गया। वहीं खुटहन थाना क्षेत्र में जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा को भी पुलिस ने उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया। शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, पंकज सोनकर और कांग्रेस नेता जयमंगल यादव सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं को भी नजरबंद किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से की गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई है।

मुख्यमंत्री की प्रदेशवासियों से अपील, जनगणना संवैधानिक दायित्व, इसे राष्ट्रीय कर्तव्य मानकर पूरा करें

राजस्थान में जनगणना महाअभियान 16 मई से होगा शुरू

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से भारत की *जनगणना 2027* में अपनी सहभागिता निभाने के लिए अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महान राष्ट्रीय यज्ञ है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि जनगणना में सहभागिता को सामाजिक न्याय के अवसर के रूप में अपनाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। जनगणना कार्मिक लंबी दूरियां तय करके लोगों तक पहुंचेंगे, ऐसे में आमजन जनगणना के कार्य में उनका सहयोग दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि मकान और परिवार से संबंधित सटीक, सत्य और पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी आहुति दें। उन्होंने बताया कि राजस्थान में जनगणना 2027 का प्रथम चरण मई से शुरू हो रहा है। इसके तहत मकानों की सूची और गणना का कार्य 16 मई से 14 जून तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रदेशवासी आवश्यक सहयोग करते हुए मकानों की गणना से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देकर अपना दायित्व निभाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाते हुए 1 मई से 15 मई के बीच नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाएं और पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय दायित्व के सहभागी बनें। गौरतलब है कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशाली ढंग से संभव हो पाता है। सरकार को पुख्ता आंकड़ों से ही गांव-शहरों के व्यक्तियों और परिवारों की स्थिति, बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल, चिकित्सालय, घरेलू गैस कनेक्शन आदि की उपलब्धता और आवश्यकता के बारे में जानकारी मिलती है। ऐसे में सभी नागरिक अपना सक्रिय योगदान देते हुए जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

पायलट पर टिप्पणी के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, भाजपा नेता का पुतला फूंका

जयपुर (हिंस)। भाजपा नेता राधामोहन दास द्वारा कांग्रेस महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में बुधवार को अजमेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में पायलट समर्थक कांग्रेसी गांधी भवन पर एकत्रित हुए, जहां भाजपा नेता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बीच सड़क पर धरना देकर भाजपा नेता से सचिन पायलट से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता, नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे शिव प्रकाश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि भाजपा के राजस्थान प्रभारी राधामोहन दास ने अपनी भाषा की मर्यादा तोड़ी है और सचिन पायलट के खिलाफ की गई टिप्पणी से पूरे राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने मांग की कि भाजपा नेता तत्काल अपने बयान वापस लें और माफी मांगें। इस दौरान शहर कांग्रेस संगठन के भीतर भी मतभेद सामने आए। अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए, जिस पर विजय जैन ने नाराजगी जताई। विजय जैन ने कहा कि सचिन पायलट जैसे वरिष्ठ नेता के सम्मान में पार्टी पदाधिकारियों को सड़कों पर उतरना चाहिए था और इस मुद्दे पर निष्क्रियता राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकती है। वहीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने सफाई देते हुए कहा कि वह वर्तमान में जयपुर में हैं और उन्हें कार्यक्रम की पूर्व सूचना नहीं थी। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन आवश्यक है और शहर में कांग्रेस के आधिकारिक कार्यक्रम संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत ही होने चाहिए। साथ ही उन्होंने भी सचिन पायलट पर की गई टिप्पणी की निंदा की। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि भाजपा नेता द्वारा माफी नहीं मांगी गई तो विरोध प्रदर्शन को व्यापक स्तर पर जारी रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने उप्र के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का किया लोकार्पण

लखनऊ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। इस एक्सप्रेस-वे के लिए 18 हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन 12 जिलों के एक लाख से अधिक किसानों ने दी है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दो दिवसीय उप्र दौरे के दूसरे दिन बुधवार की सुबह वाराणसी में रोड शो किया। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में पूजा अर्चना की। इसके बाद हरदोई के मल्लावां में गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में यह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर हमारी प्रगति को नई ऊंचाई पर पहुंचा रहा है। वर्ष 2017 के पहले उप्र परिवारवाद और जातिवाद के जकड़न में, दंगों में, माफियाओं के आतंक में नए निवेश की कोई परिकल्पना भी नहीं कर सकता था। आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आज प्रदेश में सड़कों का जाल दिख रहा है। विकास हो रहे हैं। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है। योगी ने कहा कि यह एक्सेप्रेसवे हमारी दूरी को ही कम नहीं कर रहे हैं बल्कि उन्नति, युवाओं के विकास और प्रदेश की समृद्धि को बढ़ा रहे हैं। इसके लिए 18 हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन किसानों से लिया गया है। 12 जिलों से एक लाख से अधिक किसानों ने अपनी भूमि दिया है। उनके योगदान का ही परिणाम है कि एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा कि जिसका वे शिलान्यास करेंगे, उसका उद्घाटन भी करेंगे। आज गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया है। इस मौके पर उप्र की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व उप्र भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, असीम अरुण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के जनपद हरदोई में मल्लावां कट के निकट लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह गंगा एक्सपेस-वे कुल 594 किलोमीटर लंबा है और प्रयागराज से मेरठ को सीधे जोड़ रहा है। यह 12 जिलों और 519 गांवों को जोड़ेगा। शाहजहांपुर में तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गयी है। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन भी बनाए गए हैं। हर 50 किलोमीटर पर फूड प्लाजा एवं पेट्रोल पंप स्थापित किए गए हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण में 36 हजार 230 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। आज इसका उद्घाटन हो गया है।

ऑटो में सवारियों से लूटपाट करने पर महिला समेत तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम (हिंस)। ऑटो में यात्रियों को बिठाकर उनसे लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जा से एक सीएनजी ऑटो, लुट की दो सोने की अंगूठी, एक मोबाइल व एक घड़ी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार 23 जुलाई 2026 को एक व्यक्ति ने थाना भोंडसी में शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि 10/11 अप्रैल की रात को जब वह आईएफएससी बिल्डिंग सेक्टर-66 के बाहर ऑटो के इंतजार में खड़ा था, तब वहां पर एक ऑटो आकर रुका। उसमें ऑटो रिक्शा चालक के अलावा एक महिला व एक व्यक्ति बैठा था। उसने ऑटो रिक्शा चालक से मालिबु टाउन चलने के लिए पूछा तो उन्होंने हामी करते हुए उसे बिठा लिया। इसके बाद ऑटो वाला ऑटो को बीएसएफ कैंप भोंडसी के पीछे सुनसान जगह पर ले गया। वहां पर उस महिला व दोनों व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट की। चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए उससे गहने, नगदी व पर्स लूट लिया। इस शिकायत पर थाना भोंडसी में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सोहना की टीम ने इस मामले में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान इरफान (उम्र-26 वर्ष), सोहेल (उम्र-21 वर्ष) व रुकसाना तीनों निवासी नट कॉलोनी सोहना के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि शिकायतकर्ता के नशे में होने का फायदा उठाते हुए लालच में आकर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों के कब्जा से वारदात में प्रयोग किया गया एक सीएनजी ऑटो रिक्शा तथा लूटी हुई दो सोने की अंगूठी, एक मोबाइल फोन व एक घड़ी बरामद की गई। आरोपी इरफान व सोहेल को तीन दिन के पुलिस हिरासत रिमांड के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया। आरोपी रुकसाना एक दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर है।

पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में 585 स्थानों पर लगाए 2291 सीसीटीवी

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र में बीएसएफ के सहयोगसे *सुरक्षा की दूसरी कतार*-एक गहरी, तकनीक-आधारित सुरक्षा व्यवस्था-को तेजी से मजबूत किया है, जिसका उद्देश्य सीमा पार से जुड़े आपराधिक नेटवर्क को जड़ से खत्म करना है। जहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अंतर्राष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है, वहीं पंजाब पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि यदि कोई तस्करी की सामग्री राज्य में प्रवेश कर भी जाए, तो वह आगे न बढ़ सके। सीमावर्ती पट्टी के 585 स्थानों पर 2291 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे संवेदनशील गांवों और रास्तों पर निगरानी का एक मजबूत जाल बिछाया गया है। इसके अलावा, सीमावर्ती जिलों के 41 थानों को भी सीसीटीवी कवरेज के दायरे में लाया गया है, जिन्हें निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार किया गया है। जमीनी स्तर पर अब अधिक सख्त और अप्रत्याशित तरीके से रियल-टाइम खुफिया जानकारी के आधार पर नाके लगाए जा रहे हैं। वाहनों की जांच अब रूटीन नहीं रही, बल्कि लक्षित और सूचना-आधारित हो गई है। विशेष रूप से उन जिलों में एंटी-ड्रोन निगरानी को तेज किया गया है, जहां ड्रोन के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आए हैं। अमृतसर देहाती के एसएसपी सुहैल कासिम मीर ने कहा कि सुरक्षा की दूसरी कतार वह स्थान है जहां आपराधिक श्रृंखला को तोड़ा जाता है। जहां पहली परत सीमा को सील करती है, वहीं दूसरी कतार हमारे क्षेत्र में किसी भी उल्लंघन को तुरंत रोक देती है। हमारे नाके अब साधारण चेक पोस्ट नहीं रहे, बल्कि खुफिया जानकारी के आधार पर लगाए जाते हैं और पूरी तरह सत्यापित सूचना के आधार पर स्थापित किए जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांव स्तर की रक्षा कमेटीयों और स्थानीय नेटवर्क अब सुरक्षा ढांचे का हिस्सा बन चुके हैं, जिससे जमीनी गतिविधियों पर नजर बनी रहती है। हम लगातार ढांचा, निगरानी प्रणाली, तैनाती और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर रहे हैं, ताकि यह परत आपराधिक गतिविधियों को रोकने और तुरंत समाप्त करने में मददगार साबित हो। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि दूसरी परत की मजबूती राज्य की एंटी-गैंगस्टर रणनीति का केंद्र है। उन्होंने कहा कि हम पुलिसिंग में गहराई ला रहे हैं। हमारा ध्यान पूरे नेटवर्क-सीमा पार से सप्लाई से लेकर अंतिम डिलीवरी तक-को तोड़ने पर केंद्रित है। सुरक्षा की दूसरी कतार यह सुनिश्चित करती है कि यदि कोई कोशिश भी की जाती है, तो उसे शुरुआती चरण में ही पहचान लिया जाए और तुरंत विफल कर दिया जाए। नशीले पदार्थों और हथियारों को गिराने वाले हर ड्रोन को रोकना, हर संदिग्ध वाहन की पहचान करना और सीसीटीवी के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखना उस पूरे नेटवर्क को कमजोर करता है, जो गैंगस्टरों की सहायता करता है, जो अक्सर विदेशों से इन गतिविधियों को संचालित करते हैं।

दो मासूम बच्चियों का बाल विवाह रुकवाया

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर के जमवारामगढ़ क्षेत्र में देर रात प्रशासन, पुलिस और बाल संरक्षण इकाइयों की संयुक्त कार्रवाई से दो नाबालिग बच्चियों का बाल विवाह रुकवा दिया गया। जानकारी के अनुसार पांच और आठ वर्ष की दो बच्चियों की शादी क्रमशः नौ और 11 वर्ष के बालकों से कराई जानी थी। परिजनों को आशंका थी कि प्रशासन शादी रुकवा सकता है, इसलिए निर्धारित तिथि से एक दिन पहले ही विवाह संपन्न कराने की तैयारी कर ली गई थी। मामले की सूचना प्रयास संस्था के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पवन जीनवाल ने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) को अवगत कराया। रालसा के सदस्य सचिव हरिओम अत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन, डीसीपीयू टीम, पुलिस और बाल संरक्षण विभाग तत्काल सक्रिय हुए। जमवारामगढ़ न्यायिक अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण लिंक मजिस्ट्रेट हुमा कौहरी ने रात में अपने निवास स्थान पर ही बाल विवाह निषेधाज्ञा आदेश जारी किया। इसके बाद देर रात प्रशासनिक टीम जयपुर से सरजौली गांव पहुंची, जहां दोनों परिवारों को समझाइश देकर बाल विवाह रुकवाया गया। कार्रवाई के दौरान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई। प्रशासन ने दोनों पक्षों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा बाल विवाह का प्रयास किया गया तो कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के बाद दोनों बच्चियों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से कोर्ट के आदेशानुसार उन्हें सुरक्षित बालिका गृह भेज दिया गया।

राजस्थान पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 52 उप पुलिस अधीक्षकों का किया तबादला

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के तहत राज्य में बड़े स्तर पर पुलिस अधिकारियों के पदोन्नति व तबादले किए गए हैं। पुलिस निरीक्षक पद पर कार्यरत कई अधिकारियों को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर पदोन्नत कर उनके नए पदस्थापन आदेश तत्काल प्रभाव से जारी किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक कार्यालय से जारी आदेशों के अनुसार पदोन्नत अधिकारियों को विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों जैसे सीआईडी, साइबर क्राइम, एसओजी, नारकोटिक्स टास्क फोर्स, आरपीटीसी और पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके साथ ही कई अधिकारियों को मुख्यमंत्री सुरक्षा प्रकोष्ठ और जिला स्तर पर अहम पदों पर तैनात किया गया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की ओर से जारी आदेशों के अनुसार अजयकांत रतूड़ी, राजीव भादू और नवनीत बिहारी व्यास को मुख्यमंत्री सुरक्षा प्रकोष्ठ जयपुर में उप पुलिस अधीक्षक लगाया गया है। वहीं नरेंद्र कुमार, विरेन्द्र कुमार, प्रदीप शर्मा, अनिल कुमार मूण्ड और मांगीलाल विश्नोई को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स जयपुर में जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा साइबर क्राइम इकाइयों में भी बड़े स्तर पर नियुक्तियां की गई हैं। जिसमें रामनिवास मीणा (अलवर), मदन लाल (प्रतापगढ़), आनंद कुमार (श्रीगंगानगर), दुर्गा प्रसाद दाधीच (राजसमंद), बुद्धाराम (बाड़मेर), पुरुषोत्तम महरिया (भरतपुर), निरंजन प्रताप सिंह (जालोर), विरेन्द्र पाल सिंह (डीग), कैलाश चंद मीणा (कोटा ग्रामीण) और हंसाराम चौधरी (डूंगरपुर) को साइबर क्राइम में लगाया गया है। साथ ही स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) में महावीर सिंह यादव और रणजीत सिंह, जबकि एटीएस जयपुर में राजेश यादव, परवेज आलम सैयद और राजकुमार टेलर को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा रविन्द्र प्रताप को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स में तैनात किया गया है। वहीं प्रशिक्षण संस्थानों में भी अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। शिखा विश्नोई को आरपीटीसी किशनगढ़, बाबूलाल मीणा को पीटीएस झालावाड़, देवेन्द्र प्रताप वर्मा को पीटीएस भरतपुर और रविन्द्र कुमार व मुकेश शर्मा को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में लगाया गया है। एससी/एसटी सेल में धर्मेंद्र पेवा (पाली), अचलदान रत्नू (जोधपुर ग्रामीण), श्याम सिंह रत्नू (राजसमंद), कैलाशदान (श्रीगंगानगर), राजेन्द्र कुमार शर्मा (दौसा), लक्ष्मण राम विश्नोई (अजमेर), छत्तर सिंह (जालोर) और प्रेम दान रत्नू (जैसलमेर) को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त दिनेश कुमार, राजेश बाफना और रविन्द्र कुमार को सीआईडी-एसएसबी में,जबकि नरपत सिंह चारण को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर में तैनाती दी गई है। हरजिन्द्र सिंह और नरेंद्र सिंह को 10वीं बटालियन आरएसी बीकानेर में सहायक कमांडेंट बनाया गया है। वहीं सरोज धायल और बनवारी लाल मीणा को पुलिस आयुक्तालय जयपुर में सहायक पुलिस आयुक्त तथा देरावर सिंह और बाबूलाल चौधरी को जोधपुर पुलिस आयुक्तालय में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

बिहार सरकार ने 11 आईएएस अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए भेजने का लिया निर्णय

पटना (हिंस)। बिहार की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 11 अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए भेजने का निर्णय लिया है। इनमें दो जिलों के जिलाधिकारी भी शामिल हैं। प्रशिक्षण के लिए चयनित सभी अधिकारी वर्ष 2015, 2016 और 2017 बैच के आईएएस अफसर हैं। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, ये सभी अधिकारी 11 मई 2026 से 5 जून 2026 तक मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित मिड-करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम फेज-थ्री में हिस्सा लेंगे। सरकार ने इन अधिकारियों को प्रशिक्षण में भेजने की अनुमति दे दी है और सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से सभी 11 आईएएस अधिकारियों को पत्र भी भेज दिया गया है। प्रशीक्षण के लिए चयनित अधिकारियों में भवन निर्माण विभाग के अपर सचिव विनय कुमार, सहकारिता विभाग के अपर सचिव अभय कुमार सिंह, तकनीकी सेवा आयोग में अपर सचिव अमित कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग में प्रशासनिक पदाधिकारी राशिद कलीम अंसारी, शिक्षा विभाग के अपर सचिव विजय कुमार तथा मुख्यमंत्री सचिवालय में अपर सचिव राजेश परिमल शामिल हैं। इसके अलावा सीतामढ़ी की जिलाधिकारी रिची पांडेय, पूर्णिया के जिलाधिकारी अंशुल कुमार, स्वास्थ्य विभाग में अपर सचिव वैभव चौधरी, ग्रामीण कार्य विभाग में अपर सचिव संजय कुमार तथा ग्रामीण कार्य विभाग में अपर सचिव अभय झा भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे।

राजग सरकार में व्यवसायी और उद्योगपतियों को मिल रहा सुरक्षा और सम्मान : संजय सरावगी

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के वाणिज्य प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को दानवीर शूरवीर भामाशाह की जयंती के मौके पर एक समारोह का आयोजन किया गया। पटना स्थित रविंद्र भवन में आयोजित इस समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित उपस्थित लोगों ने भामाशाह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और उनके जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुए उन पर चलने का संकल्प लिया। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित कर दी थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में व्यवसायी और उद्योगपतियों को सुरक्षा और सम्मान मिल रहा है। उन्होंने 2005 से पहले के बिहार का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दौर आज भी याद है जब शादियों और समारोहों में व्यापारियों के शोरूम से वाहन और सामान उठा लिए जाते थे। आज व्यवसायियों और उद्योगपतियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि 2005 में नीतीश कुमार ने जब सत्ता संभाली तो इसके बाद प्रदेश में सुशासन स्थापित किया गया और अब उसी रास्ते पर चलकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार को समृद्ध बनाने में जुटे हैं। उन्होंने प्रदेश के व्यवसायियों और उद्योगपतियों को भरोसा देते हुए कहा कि बिहार में अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। भागलपुर में आज एक अपराधी के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों के लिए संकेत साफ है कि अपराधी या तो अपराध छोड़ दें या बिहार छोड़ दें। उन्होंने कहा कि बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार उद्योगपतियों को सम्मान और सुरक्षा देगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने करों को भी व्यापारियों के लिए सुविधाजनक बनाया है। उन्होंने दानवीर भामाशाह के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि भामाशाह की व्यापारिक कुशलता और मेवाड़ राजवंश के प्रति निष्ठा के कारण उन्हें महामंत्री बनाया गया। हल्दीघाटी के युद्ध में जब महाराणा प्रताप को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा, तब भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति महाराणा को समर्पित कर दी। भामाशाह का यह त्याग *नेशन फर्स्ट* की भावना का प्रतीक है। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता भी राष्ट्र प्रथम की सोच को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से भामाशाह की जीवनी को पढ़ने और समझने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए, वही भामाशाह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि दानवीर भामाशाह का प्रेरणादायी जीवन हमें सदैव राष्ट्रसेवा, समर्पण और लोककल्याण के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

बुद्ध पूर्णिमा पर जयपुर में 11 हजार घरों में एक साथ होगा हवन

जयपुर (हिंस)। समर्थ एवं शक्तिशाली राष्ट्र निर्माण की कामना के साथ अखिल विश्व गायत्री परिवार के आह्वान पर 1 मई को बुद्ध पूर्णिमा के दिन देशभर में गृहे-गृहे यज्ञ अभियान के तहत एक साथ 24 लाख स्थानों पर हवन होगा। राजस्थान में एक लाख घरों में सामूहिक गायत्री महायज्ञ संपन्न होगा, जबकि जयपुर में 11 हजार घरों में एक ही समय पर यज्ञ किया जाएगा। किरण पथ, मानसरोवर स्थित श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केंद्र और गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ सहित शहर के एक दर्जन से अधिक प्रज्ञा संस्थानों पर बुधवार को यज्ञ सामग्री किट तैयार कर घर-घर पहुंचाई गई। जो लोग घर पर हवन करना चाहते हैं वे इन केंद्रों से हवन सामग्री निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण और वैश्विक सुख-शांति के लिए जन-जागरण को गति देना है। इसके लिए शक्तिपीठ, चेतना केंद्र, प्रज्ञा मंडल, युवा और महिला मंडल के कार्यकर्ता पिछले दस दिनों से घर-घर संपर्क कर रहे हैं। आचार्यगण सरल विधि से हवन संपन्न कराएंगे। नए परिवारों को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 7-30 बजे शुरू होगा, जबकि प्रतिभागियों से 7-15 बजे तक तैयार रहने को कहा गया है। यज्ञ के बाद तरु प्रसाद के रूप में पौधों और युग साहित्य का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही रक्तदान, नेत्रदान और अंगदान का सकल्प कराया जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा पर महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़ी पुस्तिकाएं भी निःशुल्क दी जाएंगी। गायत्री परिवार जयपुर उप जोन समन्वयक सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि इच्छुक लोग अपने नजदीकी शक्तिपीठ से निःशुल्क सामग्री ले सकते हैं। यूट्यूब, सोशल मीडिया और मोबाइल एप के जरिए भी यज्ञ की विधि सिखाई जाएगी, ताकि लोग घर पर ही हवन कर सकें। मंदिरों, कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी सामूहिक यज्ञ की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जयपुर में 11 हजार घरों में होने वाले यज्ञ के लिए प्रति घर में न्यूनतम 100 ग्राम हवन सामग्री, 200 ग्राम घी और 10 ग्राम कपूर का उपयोग होगा। इस हिसाब से कुल 1100 किलो हवन सामग्री, 2200 किलो घी और 110 किलो कपूर का उपयोग होगा। एक घर से पांच लोग भी हवन करते हैं तो 55 हजार लोग एक समय में हवन करेंगे जो कि एक विश्व रिकॉर्ड होगा। यह अभियान कोरोना काल में शुरू हुआ था और अब भी जारी है। अब यज्ञ डिजिटल माध्यमों से भी जुड़ गया है। जिन लोगों का पंडितों से संपर्क नहीं है, वे ऑनलाइन विधि सीखकर यज्ञ कर सकते हैं। यज्ञ के बाद दक्षिणा भी डिजिटल माध्यम से दी जा सकती है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे दक्षिणा राशि का उपयोग पौधारोपण, परिंडे लगाने, जरूरतमंदों को भोजन कराने या बच्चों को पुस्तकें देने जैसे सेवा कार्यों में करें।

भारत दुनिया का आकर्षण है, एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है।

2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोआपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनामिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है। उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रास्पर के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कापीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए समर्थन योजना भी लाएगी, जिसका ब्योरा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

नई रेंज रोवर स्पोर्ट आटोबायोग्राफी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों के लिए जैगुआर लैंड रोवर ने अपनी वर्ष की नई रेंज रोवर स्पोर्ट आटोबायोग्राफी लान्च कर दी है। इस लग्जरी कार की शुरुआती कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। कंपनी ने पहली बार इस टाप माडल को भारत में ही असेंबल करने का फैसला लिया है, जिससे इसकी उपलब्धता और पहुंच पहले से बेहतर होगी। अब तक यह माडल पूरी तरह आयातित होता था, जिससे इसकी कीमत काफी अधिक रहती थी। इस कदम से ग्राहकों को बेहतर मूल्य और आसान उपलब्धता का लाभ मिलेगा, जो कंपनी की भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह शानदार एसयूवी दो इंजन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिसमें 3.0 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं, जिन्हें देश में ही असेंबल किया जाएगा। हालांकि, अधिक ताकतवर 4.4 लीटर वी8 इंजन वाला संस्करण अभी भी पूरी तरह आयातित रूप में उपलब्ध रहेगा। वाहन में इलेक्ट्रानिक एक्टिव डिफरेंशियल, ब्रेकिंग के साथ टार्क वितरण प्रणाली, सभी पहियों की स्टीयरिंग, विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित ड्राइविंग प्रोग्राम और उन्नत एयर सस्पेंशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो बेहतर संतुलन, नियंत्रण और आराम प्रदान करती हैं। केबिन में प्रीमियम गुणवत्ता वाली चमड़े की सीटें, पूरी तरह विस्तारित चमड़े की सजावट, मालिश सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली एक शाही अनुभव देती हैं। कंपनी का मानना है कि स्थानीय असेंबली और विभिन्न इंजन विकल्प इसे अधिक ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत में लग्जरी वाहन बाजार में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी। बुकिंग शुरू हो गई है।

मार्च में पच्चीस प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की टीवीएस ने

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने मार्च 2026 में कुल बिक्री में पच्चीस प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इस महीने टीवीएस जुपिटर भारत का सबसे अधिक बिकने वाला स्कूटर बनकर उभरा, जिसने 1,24,771 इकाइयां बेचीं और वार्षिक आधार पर लगभग अठारह प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की। जुपिटर की सफलता उसके संतुलित प्रदर्शन, बेहतर ईंधन दक्षता और भरोसेमंद प्रकृति के कारण है, जो इसे पारिवारिक उपयोग के लिए पसंदीदा बनाता है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर टीवीएस अपाचे श्रृंखला रही, जिसने छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 47,081 इकाइयां बेचीं, जो युवाओं के बीच स्पोर्टी मोटरसाइकिलों की मांग को दर्शाती है। टी.वी.एस. एक्स.एल. सुपर ने भी इकतीस प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 46,192 इकाइयों की बिक्री दर्ज की और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता के कारण लोकप्रिय बना रहा। विद्युत वाहन बाजार में टीवीएस आईक्यूब ने भी अपनी धाक जमाई, छियालीस प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 38,757 इकाइयां बेचकर इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत दिया। युवाओं के बीच लोकप्रिय टी.वी.एस. राइडर ने इक्कीस प्रतिशत की वृद्धि के साथ 37,345 इकाइयों की बिक्री की, जबकि टी.वी.एस. एनटार्क ने उनचास प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि के साथ 32,598 इकाइयां बेचीं।

एमजी विंडसर ने तोड़े बिक्री के रिकार्ड, वित्त वर्ष 2026 में बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में एमजी मोटर्स की कारों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। बीते वित्त वर्ष 2026 में एमजी विंडसर ने कंपनी के सभी माडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस दौरान कुल 46,720 एमजी विंडसर ग्राहकों तक पहुँची, जो वित्त वर्ष 2025 में बेची गई 19,394 यूनिट्स के मुकाबले 141 प्रतिशत की भारी सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर एमजी कामेट ईवी रही, जिसने 10,292 यूनिट्स की बिक्री की, जो 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। वहीं, एमजी हेक्टर के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा, जिसकी बिक्री 42 प्रतिशत घटकर 9,003 यूनिट्स रही। एमजी जेडएस ईवी की बिक्री में भी 21 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 5,579 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही। एमजी एस्टर और एमजी ग्लास्टर ने क्रमशः 1,212 और 119 यूनिट्स की बिक्री के साथ बड़ी गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर, एमजी मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 72,925 नए ग्राहक जोड़े। एमजी विंडसर की सफलता के पीछे इसका आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन पावरट्रेन और लंबी रेंज है। यह एक इलेक्ट्रिक क्रासओवर है जिसमें 38 किलोवाट घंटे का बैटरी पैक है, जो 136 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 200 एनएम का पीक टार्क उत्पन्न करता है। कंपनी का दावा है कि सिंगल चार्ज पर यह कार 331 किलोमीटर की रेंज देती है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बूम की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान टेक शेयरों में जोरदार गिरावट का रुख बना रहा। इसकी वजह से वाल स्ट्रीट के ओवरआल कारोबार पर भी निगेटिव असर पड़ा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,141.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,138.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 223.30 अंक यानी 0.90 प्रतिशत टूट कर 24,663.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 49,223.42 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,332.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,104.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,018.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 619.90 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,917.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 4,860.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 156.23 अंक यानी 0.40 प्रतिशत टूट कर 39,365.50 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,160.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,656.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार उछाल नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 270.22 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,950 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,486.44 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 4,094.80 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,082.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

होंडा एलिवेट के अपकमिंग संस्करण में होंगे कई बदलाव

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में अपनी पैठ मजबूत करने होंडा एलिवेट के अपकमिंग नए संस्करण में बाहरी बनावट को अधिक आकर्षक बनाने के लिए कई बदलाव किए जाएंगे। बाजार में होंडा एलिवेट का नया अवतार इस वर्ष के मध्य तक दस्तक देने को तैयार है, जिसका लक्ष्य एसयूवी सेगमेंट में अपनी बिक्री को और गति देना है।

इए नए संस्करण में नई फ्रंट ग्रिल, अगले और पिछले हिस्से के बम्पर में हल्के लेकिन प्रभावी परिवर्तन तथा नए डिज़ाइन के पहिये देखने को मिल सकते हैं, जो इसे एक ताज़ा और आधुनिक रूप देंगे। वाहन के अंदरूनी हिस्से में भी सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा सकता है ताकि अधिक उच्च श्रेणी का अनुभव मिले। डैशबोर्ड का डिज़ाइन भी बदला जा सकता है और यात्रियों को अधिक सुविधा व आराम देने के लिए नई तकनीकी सुविधाएँ भी इसमें जोड़ी जा सकती हैं। इंजन के मामले में, इसमें वर्तमान 1.5 लीटर क्षमता वाला पेट्रोल इंजन ही रहने की संभावना है, जो संतुलित शक्ति और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है, साथ ही मैनुअल और स्वचालित दोनों प्रकार के गियर विकल्प उपलब्ध होंगे। हालांकि, कंपनी भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसका एक उन्नत संकर (हाइब्रिड) संस्करण भी ला सकती है, लेकिन इस संबंध में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

नई होंडा एलिवेट की कीमत लगभग 11 लाख से 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच रहने की संभावना है। इस श्रेणी में यह अन्य लोकप्रिय वाहनों के बीच अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखने की कोशिश करेगी। खबरों के अनुसार, होंडा इस वाहन के विद्युत संस्करण पर भी काम कर रही है, जिसे आने वाले समय में पेश किया जाएगा। इसी के साथ, कंपनी अपनी लोकप्रिय सेडान कार सिटी के नए रूप पर भी काम कर रही है, जिसमें बाहरी और अंदरूनी बदलावों के साथ संकर तकनीक का विकल्प भी दिया जा सकता है।

टाटा पंच और नेक्सन का जलवा, मार्च 2026 में एसयूवी सेगमेंट में शीर्ष पर

नई दिल्ली। मार्च 2026 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जहाँ कंपनी की दो एसयूवी ने बिक्री में शीर्ष स्थान हासिल किया। टाटा पंच इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला माडल बनकर उभरा, जिसने 20,977 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। पिछले साल मार्च की तुलना में इसमें 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। दूसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी 19,810 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। नेक्सन अपनी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों के कारण ग्राहकों में काफी लोकप्रिय है। मारुति सुजुकी ने भी इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। मारुति ब्रेजा 16,130 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, हालाँकि इसमें पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। वहीं, मारुति फ्रान्क्स ने 15,540 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 14 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। किआ सानेट ने 12,012 यूनिट्स की बिक्री के साथ 56 प्रतिशत की शानदार सालाना वृद्धि के साथ पांचवां स्थान पाया। हुंडई वेन्यू 11,147 यूनिट्स की बिक्री के साथ छठे स्थान पर रही, जो 7 प्रतिशत अधिक थी। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ने 9,199 यूनिट्स बेचकर 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। हुंडई एक्सटर 6,478 यूनिट्स के साथ आठवें, स्कोडा कायलाक 4,670 यूनिट्स के साथ नौवें और टोयोटा टाइजर 2,815 यूनिट्स के साथ दसवें स्थान पर रही।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में जबरदस्त कमजोरी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 1,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,440 रुपये प्रति 10 तक की गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोना के विपरीत चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.12 प्रतिशत गिर कर 4,576.07 डालर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 73.18 डालर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

खाताधारक की मृत्यु के बाद बैंक को डेथ सर्टिफिकेट देना जरुरी, तभी निकलेगा पैसा

ओडिशा में जितु ने मृत बहन के कंकाल को बतौर सबूत बैंक को दिखाने पहुंचा

क्योंझर

ओडिशा के क्योंझर जिले एक व्यक्ति अपनी मृत बहन के कंकाल के अवशेष कब्र से निकालकर बैंक पहुंचा, क्योंकि उसके खाते से पैसे निकालने के अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया था। यह घटना पटना पुलिस थाना क्षेत्र के मल्लिपाशी गांव की है। बैंक ने बहन के नाम पर जमा 19,300 रुपए देने से इनकार कर दिया क्योंकि डेथ सर्टिफिकेट नहीं था। निराश और अशिक्षित जितु ने हड्डियों को ही मौत का सबूत मानकर बैंक को दिखाने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के समझाने पर उन्होंने हड्डियां फिर से दफन कर दीं और डेथ सर्टिफिकेट बनाने की सलाह दी। जीतू मुंडा कई बार बैंक

जाकर अपनी मृत बहन के खाते से पैसे निकालने की अनुमति मांग चुका था उसने बैंक को उसकी मौत की जानकारी भी दी, लेकिन कर्मचारियों ने हर बार उसका अनुरोध ठुकरा दिया। बैंक अधिकारियों का कहना था कि लेनदेन के लिए खाताधारक की खुद मौजूदगी जरूरी है, इसलिए वे पैसे नहीं दे सकते थे।

खाता धारक की मौत होने पर बैंक आमतौर पर बिना डेथ सर्टिफिकेट के पैसे नहीं देता है। डेथ सर्टिफिकेट मौत का आधिकारिक प्रमाण होता है, जो स्थानीय नगर निगम, ग्राम पंचायत या स्वास्थ्य विभाग से जारी होता है। बैंक को यह साबित करना पड़ता है कि खाता धारक की वाकई मृत्यु हो चुकी है, ताकि गलत व्यक्ति पैसे न निकाल ले। अगर मृतक ने बैंक में नामिनी नामित किया था, तो नामिनी को मुख्य रूप से तीन चीजें जमा करनी पड़ती हैं। इसमें डेथ सर्टिफिकेट, क्लेम फार्म और अपना पहचान पत्र शामिल होता है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक नामिनी को पैसे मिल जाते हैं और बैंक को लीगल हेयर या सक्सेशन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं पड़ती। नामिनी पैसे लीगल हेयर्स की ओर से ट्रस्टी की तरह लेता है। बैंक को दावा मिलने के 15 दिनों के अंदर क्लेम सेटल करना होता है।

बिना नामिनी के लीगल हेयर्स को डेथ सर्टिफिकेट के अलावा रिलेशनशिप प्रूफ, लीगल हेयर सर्टिफिकेट या सक्सेशन सर्टिफिकेट जमा करना पड़ सकता है1 हालांकि, आरबीआई के हालिया नियमों के मुताबिक व्यावसायिक बैंकों में 15 लाख रुपए तक के छोटे क्लेम्स के लिए दस्तावेजों में छूट दी गई है। इन मामलों में इंडेम्निटी बान्ड, नो आब्जेक्शन लेटर और लीगल हेयर डिक्लेरेशन के साथ काम चल सकता है। बड़ी रकम पर कोर्ट से सक्सेशन सर्टिफिकेट लेना जरूरी हो जाता है।

मृतक के परिवार को सबसे पहले बैंक शाखा में सूचना देनी चाहिए। डेथ सर्टिफिकेट की कई कापी निकाल लें। अगर संयुक्त खाता है, तो जीवित व्यक्ति आसानी से डेथ सर्टिफिकेट देकर पैसे निकाल सकता है।

एक समय आलोचकों के तानों से परेशान हो गये थे श्रेयस अय्यर, अपने प्रदर्शन से करारा जवाब दिया

मुम्बई

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही पंजाब किंग्स के पीछे सबसे बड़ी भूमिका कप्तान श्रेयस अय्यर की रही है। श्रेयस ने स्वयं बेहतर प्रदर्शन और कुशल कप्तानी के जरिये टीम को लगातार जीत दिलायी है। इससे सभी ओर वह छाये हुए हैं। इससे पीछे श्रेयस की कड़ी मेहनत रही है। उन्होंने न केवल अपने खेल को नया आयाम दिया है, बल्कि सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को भी पूरी तरह से बदल डाला है। अय्यर केवल पंजाब किंग्स के लिए एक भरोसेमंद बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक प्रभावी फिनिशर और सफल कप्तान भी बन चुके हैं। वहीं एक समय वह आलोचकों के तानो से परेशान हो गये थे।

इसका जवाब अब इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से दिया है। पहले वह बाउंसर गेंदों के खिलाफ वह कमजोर माने जाते थे पर इस बापर श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज के खिलाफ शानदार छक्का जड़कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

श्रेयस के अनुसार उन्होंने आलोचकों को गलत साबित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मेरे आसपास ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि तुम ये नहीं कर सकते, यह असंभव है। मुझे यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है। एक क्रिकेटर के तौर पर, जो उच्चतम स्तर पर खेल रहा है, मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता। अय्यर ने आगे बताया, फिर मैंने तय किया कि मुझे उन्हें गलत साबित करना है। यह एक चुनौती बन जाती है। मैं सोचता हूं कि मैं इस स्थिति में था, अब कैसे और मजबूत होकर लौटूं मैं अपने को और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं और जल्द से जल्द वापसी करने की कोशिश करता हूं जिससे उन्हें गलत साबित कर सकूं। यही सोच मुझे आगे बढ़ाती है, खासकर चोट के बाद। जब उन्हें पीठ की चोट लगी थी, तब भी कुछ लोगों ने आशंका जताई थी कि वे पहले जैसे नहीं रह पाएंगे। इस पर अय्यर ने खुद से सवाल किया, क्यों नहीं रह सकता उनका मानना है कि चोट के बाद अपनी सोच को कैसे बदलते हैं, यह बहुत जरुरी है। आप यह तय करते हैं कि किस पर ध्यान देना है और किसे नजरअंदाज करना है।

न्यूज़ ब्रीफ

रुतुराज के नाम है एक ओवर में सात छक्के का रिकार्ड

मुम्बई। भारत के स्टार बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के नाम एक एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी के नाम नहीं है। घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ही ओवर में सात छक्के का एक रिकार्ड है जो कि काफी हैरानी भरा भी है क्योंकि एक ओवर में 6 छक्के लगाना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। ये रिकार्ड युवराज सिंह, हर्शल गिब्स और कीरोन पोलार्ड जैसे दिग्गजों के नाम है। वहीं किसी एक ओवर में सात छक्के लगने की बात काफी असंभव सी नजर आती है। रुतुराज ने ये उपब्धि विजय हजारे ट्राफी 2022 के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान हासिल की थी। उत्तर प्रदेश के साथ मुकाबले में वह महाराष्ट्र की ओर से बल्लेबाजी कर रहे थे। तब गायकवाड़ ने 49वां ओवर फेंकने आए उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के ओवर की पहली चार गेंदों पर छक्के लगाये। वहीं पांचवी गेंद नो बाल रही जिसपर भी उन्होंने छक्का जड़ दिया। वहीं अगली दो गेंदों पर भी उन्होंने छक्के लगा दिये। इस तरह रुतुराज ने एक ही ओवर में कुल 7 छक्के जड़ दिए और उस ओवर से 43 रन बनाये जो एक नया रिकार्ड है। उस मैच में रुतुराज ने दोहरा शतक लगाया और 59 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए थे। इस प्रकार रुतुराज ने दिखा दिया कि वह संयम से बल्लेबाजी करने के अलावा आक्रामक खेल भी दिखा सकते हैं।

इंदौर जिला बैडमिंटन संघ का 46वां ग्रीष्मकालीन जूनियर प्रशिक्षण शिविर 8 मई से

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 46वें ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नेहरू स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हाल, इंदौर मे 08 मई 2026 से 29 मई 2026 तक आयोजित होगा। इंदौर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव आर.पी. सिंह नय्यर ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन सुबह और शाम, दो सत्रों में संचालित किया जाएगा। शिविर में प्रशिक्षकों के रूप में सुधांशु व्यास, राज्य स्तरीय खिलाड़ी मनीष त्रिवेदी और पूर्व राज्य विजेता रूबी नय्यर उभरते हुए खिलाड़ियों को बैडमिंटन के गुर सिखाएंगे। इस ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को बैडमिंटन के नियमों, शारीरिक व्यायाम (वर्कआउट) और खेल की तकनीकी बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। संघ के सचिव ने यह भी जानकारी दी कि शिविर के समापन पर सभी प्रतिभागियों के लिए एक बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी और उनके अभिभावक अधिक जानकारी के लिए नेहरू स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हाल में संघ के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

बाबर ने डु प्लेसिस का रिकार्ड तोड़ा, टी20 कप्तान के तौर पर सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में आक्रामक

बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस शतक के साथ ही आजम टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक नौ शतक लगाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए है। आजम ने पीएसएल क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ 59 गेंद में 12 चौक और चार छक्के लगार 103 रन बनाये। इस शतक के साथ ही आजम ने डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया। डु प्लेसिस के नाम टी20 कप्तान के तौर पर आठ शतक हैं। डु प्लेसिस ने अपने शतक 216 मैचों में बनाये थे जबकि बाबर ने केवल 154 मैचों में ही इस रिकार्ड को तोड़ दिया। आजम ने इस प्रकार दस मैचों में 84 की औसत और 146.26 के स्ट्राइक रेट से 588 रन बनाकर साबित किया है कि अभी उनकी बल्लेबाजी की चमक गयी नहीं हैं। इससे उनकी पाक टीम में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। पीएसएल में इस सत्र में ही बाबर ने अब तक चार शतक लगाये हैं। इससे पहले उन्होंने साल 2022 और 2023 में एक-एक शतक लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने लीग इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान खान के रिकार्ड की बराबरी कर ली। उस्मान ने 35 मैचों में ये रन बनाये पर बाबर को इसके लिए 110 मैच खेलने पड़े।

आईपीएल में इस बार साल 2024 के 14 शतकों का रिकार्ड टूटने की संभावना अब तक लगे हैं 8 शतक

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार जिस प्रकार से खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। उससे लगता है कि इस बार सबसे अधिक शतकों का नया रिकार्ड बन सकता है। इसका कारण ये है कि आईपीएल में अभी आधे मुकाबले ही हुए हैं और आठ शतक लग गये हैं जबकि इससे पहले साल 2024 में 14 शतक लगे थे। वहीं इस बार बल्लेबाज काफी आक्रामक अंदाज में हैं और बड़े स्कोर बनते जा रहे हैं। जिससे तय है कि पिछले सारे रिकार्ड टूट सकते हैं। वहीं साल 2023 सत्र में 12 शतक लगे थे। तब विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, ट्रेविस हेड, साई सुदर्शन, सुनील नरेन, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रोहित शर्मा, मार्क्स स्टायनिस, सूर्यकुमार यादव, जानी बेयरेस्टो और विल जैक्स ने एक-एक शतक लगाया था जबकि जोस बटलर ने दो शतक लगाये थे1

वहीं इस बार आईपीएल में 40 मैचों में ही 8 शतक लग गये हैं। अब 2024 के 14 शतकों का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 7 शतकों की और जरुरत है। इस सीज़न में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन ने 2 शतक लगाये हैं वहीं अन्य सभी बल्लेबाजों मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा , राजस्थान रायल्स के युवा वैभव सूर्यवंशी, सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा, मुंबई इंडियंस के क्विंटन डिकाक , दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल और गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन सभी ने एक-एक शतक लगाये हैं। इस सत्र का सबसे तेज़ और सबसे रोमांचक शतक वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा, जिन्होंने केवल 36 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। वहीं आईपीएल 2024 में क्रिस गेल ने 30 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। मौजूदा सत्र में अभी फाइनल तक 35 मैच और खेले जाने बाकी हैं। ऐसे में देखना होगा कि इन बचे हुए मुकाबलों में कौन-कौन से बल्लेबाज शतक लगाते हैं और क्या आईपीएल 2024 में लगे सर्वाधिक शतकों का रिकार्ड टूट पाता है या नहीं।

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप : भारतीय पुरुष टीम की धमाकेदार जीत, महिलाओं को मिला वाकओवर

पुणे/लंदन। लंदन के कूपर बाक्स एरेना में चल रही विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने अभियान का आगाज शानदार अंदाज में किया है। टूर्नामेंट के पहले दिन भारतीय पुरुष टीम ने ट्यूनीशिया के खिलाफ अपना दबदबा बनाते हुए 3-0 से एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि महिला टीम को बिना पसीना बहाए जीत मिल गई। पुरुष वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद प्रभावी रहा। टीम को पहली सफलता मानुष शाह ने दिलाई। मानुष ने वसीम एसिद को 11-5, 9-11, 11-3, 11-5 से मात दी। दूसरे गेम में थोड़ी चुनौती मिलने के बाद मानुष ने अपने आक्रामक खेल के जरिए मैच पर तुरंत नियंत्रण वापस हासिल कर लिया। इसके बाद मानव ठक्कर ने बेहद एकतरफा मुकाबले में यूसुफ एदली को 11-3, 11-3, 11-3 से पराजित कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। जीत की औपचारिकता हरमीत देसाई ने पूरी की, जिन्होंने अबूबकर बौरास को 11-5, 11-4, 11-8 से हराकर भारत की 3-0 की दमदार जीत सुनिश्चित की। वहीं, महिला वर्ग के ग्रुप 6 के मुकाबले में भारतीय टीम के लिए दिन बेहद आसान रहा। युगांडा की टीम निर्धारित समय पर मुकाबले के लिए नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते भारत को 3-0 से वाकओवर दे दिया गया। इस प्रकार भारतीय महिला टीम बिना कोर्ट पर उतरे ही अपने अभियान में जीत के साथ आगे बढ़ गई है ।

टी20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

बेनोनी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है।

कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा।

इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को लगातार कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है ताकि विश्वकप की अच्छे से तैयारी की जा सके। हरमनप्रीत ने कहा कि पावरप्ले में भी हमारी टीम पर्याप्त रन नहीं बना पायी और इस कमी को भी हमें दूर करना होगा। इसके अलावा टीम को अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा।

सचिन ने भगवान वेंकटेश की प्रतिमा ग्रहण करने से पहले जूते उतारे

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में अपनी धार्मिक निष्ठा और विनम्रता का ऐसा परिचय दिया, जिसने करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह के दौरान, जब उन्हें भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिमा भेंट की जा रही थी, तो सचिन ने उसे ग्रहण करने से पहले अपने जूते उतार दिए। इसका एक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लोग सचिन के इस सांस्कृतिक सम्मान और श्रद्धा भाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह मामला 27 अप्रैल को विशाखापत्तनम में प्रतिष्ठित आंध्र यूनिवर्सिटी के 100 वर्ष पूरे होने के भव्य समारोह के दौरान हुआ। इस शताब्दी समारोह में सचिन को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। मंच पर जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सम्मान स्वरूप भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की दिव्य प्रतिमा सचिन को प्रदान करने लगे तो सचिन अपनी कुर्सी से उठे और प्रतिमा को थामने से पहले उन्होंने अपने जूते उतारे। नंगे पैर प्रतिमा को ग्रहण करते हुए और फिर उसके साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए सचिन की यह मुद्रा उनकी गहरी आस्था और भारतीय संस्कारों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मोहसिन फिटनेस बनाये रखें तो उनका भारतीय टीम में जगह मिलना तय : इरफान पठान

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार खेलता रहे तो उसे

भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। पठान ने कहा है कि मोहसिन को केवल अपनी फिटनेस बनाये रखनी होगी क्योंकि अधिकतर तेज गेंदबाज चोटों के कारण अपने करियर में पिछड़ जाते हैं। पठान का मानना है कि अगर यह युवा गेंदबाज अपनी फिटनेस बरकरार रख पाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से कोई इंसानी ताकत नहीं रोक सकती। पठान ने जोर देकर कहा कि मोहसिन में देश का प्रतिनिधित्व करने की पूरी क्षमता है।

मोहसिन ने जिस प्रकार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ केवल चार ओवर में सिर्फ 23 रन देकर पांच विकेट हासिल किए उससे उससे पठान प्रभावित हैं। इस प्रभावशाली स्पेल में इस गेदबाज की गति, उछाल और सटीक गेंदबाजी साफ झलक रही थी। पठान ने कहा कि वह दबाव बनाकर पहले मेडन ओवर डालते हैं और फिर विकेट लेते हैं। उन्होंने कहा कि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी और टिम सीफर्ट जैसे बल्लेबाजों के खिलाफ भी यही रवैया अपनाया था। पठान ने मोहसिन की प्रशंसा करते हुए कहा, अगर वह फिट रह सके, तो कोई भी उसे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से नहीं रोक सकता। उसकी फिटनेस ही एकमात्र बाधा है क्योंकि वह लंबे समय तक चोटिल रहता है। पठान ने मोहसिन के बाएं हाथ के एंगल और उनकी लंबाई के कारण मिलने वाले अतिरिक्त उछाल को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताया। ह हमेशा किफायती स्पेल डालता है और जब वह गुड लेंथ पर गेंदबाजी करता है, तो बल्लेबाजों को रन बनाना बेहद कठिन हो जाता है। हालांकि, मोहसिन के करियर में चोटें एक बड़ी चिंता का विषय रही हैं। 2022 में डेब्यू करने के बावजूद, उन्होंने अभी तक किसी भी आईपीएल सीजन में दस से ज्यादा मैच नहीं खेले हैं।

क्रुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई,

जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

एमेलिया की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

आकलैंड। न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पाली इंग्लिस भी टीम मे शामिल की गयी हैं। न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सायर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सायर ने कहा, जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है। सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं। सोफी सहित तीन दिग्गजों का होगा अंतिम टूर्नामेंट ये विश्वकप इसलिए भी टीम के लिए अहम है क्योंकि ये तीन अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, लिया ताहुहु और सूजी बेट्स का अंतिम टूर्नामेंट है। इसके बाद ये तीनो ही संन्यास ले लेंगी। ऐसे में टीम का लक्ष्य इन तीनों दिग्गजों को जीत के साथ विदा करना रहेगा। वहीं इनके संन्यास को लेकर कोच सायर ने कहा कि तीन अनुभवी खिलाड़ियों का एक ही टूर्नामेंट में संन्यास लेना विशेष अवसर की तरह रहेगा। इन तीनों ने अपने-अपने करियर में बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को कई बार जीत दिलायी है। ऐसे में इनकी कमी खलेगी पर इसके बाद भी टूर्नामेंट के अंत में हम इन तीनों को सम्मान के साथ विदायी दी जाएगी। विश्वकप में कीवी टीम को ग्रुप बी में इंग्लैंड, स्काटलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया है।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढे यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढे लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढे पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढे पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

> अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

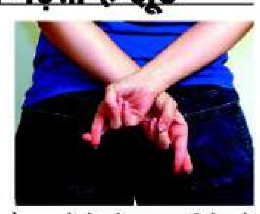

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरुकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

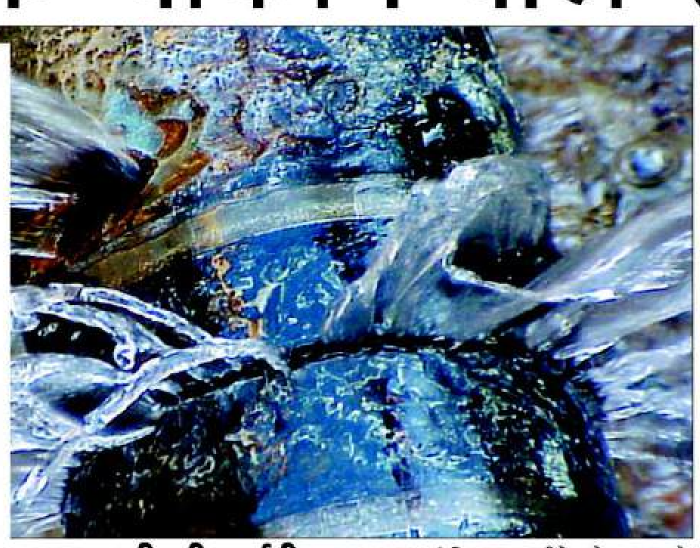

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**